तापमान
अधिकतम 20 .5 डिग्री
न्यूनतम 7 .8 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 30 नवंबर 2025

10 नगाड़ा पार्टी ने पहले दिन मचाया धमाल डेरू के वादन पर जमकर थिरके कलाकार

10 भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया यात्रियों को स्वदेशी वस्तुएं अपनाने के लिए जागरूक

खबर संक्षेप

नाबालिग लड़की को घर से भगाकर बनाए संबंध

यमुनानगर। शहर जगाधरी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से युवक नाबालिग लड़की को बहला फुसला कर अपने साथ भगाकर ले गया। जहां आरोपी ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने घर पहुंच कर घटना के बारे में बताया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर छह पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शहर जगाधरी थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 21 नवंबर को उनकी कॉलोनी का ही युवक साजन उसकी 16 वर्षीय छोटी बहन को बहला फुसला कर अपने साथ भगाकर ले गया।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर किया अगवा

यमुनानगर। साढ़ौरा थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की को अगवा करके ले गया। पुलिस ने लड़की के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार साढ़ौरा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 नवंबर को उसकी 17 वर्षीय बेटी किसी काम से घर से बाहर गई थी। मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

यमुनानगर। जिले में अलग-अलग दो स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर के विशाल नगर निवासी इरफान ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता 48 वर्षीय माजीद अपनी बाइक से शहर के 200 क्वार्टर के पास से जा रहा था। जब वह बटाला कांटा चौक के पास पहुंचा तो पीछे से तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसके पिता की बाइक को टक्कर मार दी।

अवैध देसी पिस्तौल के साथ युवक काबू

पानीपत। ऑपरेशन ट्रैक डाउन के तहत सीआईए टू पुलिस टीम ने शुक्रवार शाम को विकास नगर में एक युवक को अवैध देशी पिस्तौल व जिंदा रौंद के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान यूपी के शामली के तितरवाडा गांव निवासी धोला के रूप में हुई है। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर सुमित ने बताया कि सूचना के आधार पर विकास नगर में गली नंबर 27 से एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपनी पहचान धोला पुत्र लियाकत निवासी तितरवाडा शामली यूपी के रूप में बताई।

महोत्सव में पहुंचे पर्यटक।

सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार।

ब्रह्मसरोवर का आकर्षक दृश्य।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सवः विश्व पटल पर अपनी अनोखी छाप छोड़ रहा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

ब्रह्मद्दसरोवर के पावन तट पर 15 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक चलने वाले अंतर्राष्टद्रीय गीता महोत्सव ने विश्व पटल पर अपनी एक अनोखी छाप छोडऩे का काम किया है। इतना ही नहीं इस अंतर्राष्टद्रीय गीता महोत्सव की गूंज देश प्रदेश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी सुनाई दे रही है। अहम पहलू यह है कि इस महोत्सव के 15 वें दिन भी पर्यटक महोत्सव को निहार रहे है। ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर शनिवार को इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में शिल्पकारों की अनोखी शिल्प कला को देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो रहे है, विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी शिल्पकला का अनोखा प्रदर्शन कर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने का काम कर रहे है और पर्यटक इन शिल्पकारों की शिल्पकला से बनी वस्तुओं की जमकर खरीददारी भी कर रहे है। इन शिल्पकारों की शिल्पकला ने ब्रह्मसरोवर की फिजा का रंग बदलने का काम किया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रदेश सरकार और प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 के 15वें दिन विभिन्न राज्यों से आए लोक कलाकारों ने अपने-अपने प्रदेश की सांस्कृतिक लोक कला से पर्यटकों को झूमने पर मजबूर किया है। इतना ही नहीं ढोल की धाप और बीन के लहरे पर पर्यटक भाव विभोर होकर घूमते नजर आ रहे है। महोत्सव में आने वाला हर एक पर्यटक इस महोत्सव की जमकर प्रशंसा कर रहा है। विभिन्न राज्यों से आए हुए लोक कलाकारों ने अपने-अपने प्रदेश की लोक संस्कृति को उजागर करने का काम किया है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव विलुप्त हो चुकी सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने का एक बड़ा मंच साबित हो रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में आने वाले हर कोई पर्यटक इन लम्हों को अपने-अपने कैमरों में कैद करते हुए नजर आ रहे है।

शिल्पकारों की शिल्पकला व कलाकारों की कला ने बदली ब्रह्मसरोवर की फिजा

ढोल की धाप और बीन के लहरे पर पर्यटक भाव विभोर होकर झूमते नजर आ रहे है। महोत्सव में आने वाला हर एक पर्यटक इस महोत्सव की जमकर प्रशंसा कर रहा है।

बघेली, भीली, कोरकू व मालवी जैसे व्यजंन बढ़ा रहे है पर्यटकों का स्वाद

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में दूर दराज से आने वाले पर्यटकों को मध्य प्रदेश के बघेली, भीली, कोरकू और मालवी जैसे व्यजंन स्वाद बढ़ा रहें है। इस महोत्सव में पहली बार पर्यटकों को मध्य प्रदेश की परम्परागत डिश चखने को मिल रही हैं। इस वर्ष प्रदेश सरकार की तरफ से मध्य प्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में पार्टनर राज्य के रूप में आमंत्रित किया है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में प्रदेश सरकार की तरफ से पार्टनर राज्य के रूप में मध्यप्रदेश को आमंत्रित किया गया था। इस प्रदेश ने ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग के साथ पैवेलियन की स्थापना की गई हैं। इस पैवेलियन में मध्यप्रदेश के परम्परागत बघेली, भीली, कोरकू और मालवी जैसे व्यजंन रखे गए है। इन व्यंजनों का देश-विदेश से आने वाले पर्यटक स्वाद चख रहे है। इनमें से अधिकतर पर्यटक ऐसे है जिनमें पहली बार मध्यप्रदेश की डिश चखने को मिली हैं। मध्यप्रदेश से आए मंशाराम हरदा, मधू सूधन, संतोष द्विवेदी, अजय सिसोदिया का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 में पहली बार कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर आए है। इस बार पर्यटकों के लिए मध्यप्रदेश के परंपरागत व्यंजन, लोक कलाएं जिनमें अहिराई, गुदुम बाजा जैसे लोक नृत्य प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा मध्य प्रदेश के ग्रामीण आंचल में छिपे इतिहास को भी पैवेलियन में दिखाने का प्रयास किया गया हैं।

पवित्र ग्रंथ गीता पूरी मानवता की समस्याओं के समाधान करने का है एक मात्र पवित्र ग्रंथ

शाहबाद। शाहबाद की एसडीएम डॉक्टर चिनार सनसनवाल ने कहा कि गीता एक ऐसा ग्रंथ है जिसको जितनी बार पढ़ा व सुना जाए, हर बार नया व्याख्यान देखने को मिलता हैं। गीता स्वयं हर सवाल का जवाब है और आज गीता को देश के साथ साथ विदेशों के लोग भी पढ़ रहें हैं। उन्होंने कहा कि गीता 700 श्लोकों में समाई है, जो जीवन की सार्थकता को बताते हैं। शाहबाद की एसडीएम शनिवार को शाहबाद के मारकंडेश्वर मंदिर में आयोजित जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह के दूसरे दिन प्रातः कालीन सत्र में विभिन्न स्कूलों के बच्चों की विभिन्न तरह की प्रतियोगिताओं के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। उन्होंने सबसे पहले श्रीमद् भगवद् गीता की पुस्तक पर पुष्प अर्पित किए तथा पूजा अर्चना की। उन्होंने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता मात्र एक ग्रंथ ही नहीं अपितु पूरी मानवता के लिए एक ऐसा ग्रंथ है जिसको पढकर मानव का जीवन सफल हो जाता हैं। शाहबाद में पहली बार गीता जयन्ती समारोह का आयोजन हुआ हैं, यह आयोजन चार दिन का है और 1 दिसम्बर तक आयोजन चलेगा। कार्यक्रम में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल लक्ष्मी प्रसाद ने भी गीता पर अपना व्याख्यान दिया।कार्यक्रम में मंच का संचालन एआईपीआरओ बलराम शर्मा ने किया। इस मौके पर एसडीएम ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे निबंध प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रतियोगिता,पेंटिंग प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, क्राफ्ट प्रतियोगिता और श्लोक उच्चारण प्रतियोगिताओं के बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

उद्यान विभाग के स्टाल पर सब्जियों एवं फलों की किस्मों की जानकारी ले रहे पर्यटक

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में उद्यान विभाग, हरियाणा द्वारा स्टाल लगाई गई। इस स्टाल पर संरक्षित खेती के माध्यम से तैयार की जाने वाले फल एवं सब्जियों को प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा उच्च गुणवत्ता की सब्जियों की पौध एवं फलदार पौधों को भी दर्शकों को दिखाने के उद्देश्य से रखा गया। प्रतिदिन भारी संख्या में विभाग की स्टाल पर लोग पहुंच रहे है ओर सब्जियों एवं फलों से संबंधित जानकारी हासिल कर रहे हैं। बड़ो के साथ-साथ बच्चे भी सब्जियों एवं फलों की किस्मों को देख रहे हैं। फलदार पौधों की जानकारी हासिल की गीता महोत्सव में मध्यप्रदेश से पहुंचे किताब सिंह, रमेश कुमार, सतीश ने फलदार पौधों के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने स्टाल पर रखे गए प्रत्येक फलदार पौधों व फलों के बारे में विशेषज्ञों से ज्ञान प्राप्त किया व पौधों को कहा से लिया जा सकता है।

धूल-मिट्टी गई, अब बस क्यू शेल्टर में आराम से करें बसों का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी के लोगों को पहले धूल-मिट्टी में खड़े रहते हुए बसों का इंतजार करना पड़ता था। मगर अब हमने बेहतरीन बस क्यू शेल्टर बनाकर दिए हैं जहां यात्री आराम से इंतजार कर सकते है। हम लोकल बस सेवा के रुट में आने वाले सभी बस स्टॉप पर शेल्टर बनाएंगे। अभी 23 बस क्यू शेल्टर बन रहे हैं जिनमें से कुछ बन चुके हैं और शेष जल्द बनाए जाएंगे। बस क्यू शेल्टर में पंखे, बैठने की व्यवस्था आदि पूरा इंतजाम किया गया है ताकि यात्रियों को पूरी सुविधा मिल सके।

विज शनिवार को अंबाला छावनी सिविल अस्पताल के निकट नवनिर्मित बस क्यू शेल्टर के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंबाला छावनी में पहले 25 साल से लोकल बसे रूकी थी। अब 25 बसें चल रही है जिनमें से 15 इलेक्ट्रिक है। कुछ मिनी बसें चल रही हैं। उन्होंने बताया कि बस क्यू शेल्टर पर टाइम टेबल लगाया गया है और हर बस को यही पर रूकने के निर्देश दिए गए हैं। बसों में ट्रैकिंग सिस्टम भी लगा रहे हैं जिससे पता चल सकेगा कि कौन सी बस कहां पर खड़ी है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में यदि बस स्टैंड के अलावा बस कहीं और खड़ी हुई तो कार्रवाई होगी। बसों में ट्रैकिंग सिस्टम से बस की लोकेशन का पता कंप्यूटर पर लग जाएगा। इसकी बकायदा एक ऐप भी बना रहे हैं, जिससे मोबाइल पर बस की लोकेशन का पता चल सकेगा।

इन स्थानों पर होंगे बस क्यू शेल्टर

कैपिटल चौक, सिविल अस्पताल चौक, सुभाष पार्क, बब्याल व बोह में बस क्यू शेल्टर बन चुके हैं। इसके अलावा चुंगी चौक, टुंडला, डिफेंस कॉलोनी, कलरहेड़ी, शास्त्री कॉलोनी, डीआरएम ऑफिस, सुंदर नगर, चंद्रपुरी कॉलोनी, मच्छौंडा, शाहपुर, बीडी फ्लोर मिल, हाथीखाना मंदिर, रंगिया मंडी चौक, नन्हेड़ा, एसडी कॉलेज, महेशनगर, टांगरी बांध मोड व दलीपगढ़ में जल्द इनका निर्माण होगा। इस अवसर पर जीएम रोडवेज अश्वनी डोगरा, नगर परिषद अध्यक्ष स्वर्ण कौर, उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, भाजपा पदाधिकारी रवि बुद्धिराजा, प्रवेश शर्मा, हर्ष बिंद्रा, बिजेंद्र चौहान, सुरेंद्र बिंद्रा, जसबीर सिंह जस्सी, संजीव सोनी, आशीष अग्रवाल, रवि सहगल, भरत कोछड़, रशमी वर्मा, शिव काकरान, शिल्पा पासी, मदन लाल शर्मा के अलावा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गीता जीवन जीने का मार्ग और शांति का स्रोत: केंद्रीय मंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गीता जीवन जीने का मार्ग और शांति का स्रोत है। कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर महाभारत के युद्ध के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का संदेश दिया था। यह सन्देश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उस काल में था। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान में दिया शांति का स्रोत ही गीता को दुनिया में एक अद्वितीय ग्रंथ बनाता है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल शनिवार को ब्रह्मसरोवर के पुरुषोत्तमपुरा बाग में आयोजित संत सम्मेलन में बोल रहे थे। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक एवं पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, जूनागढ़ अखाड़े के महामंडलेश्वर अवधेशानंद महाराज, दिनेशानंद महाराज, कपिल मुनि महाराज, गोपाल दास महाराज, शिव कुमार स्वामी, भैया जी महाराज, भूपेंद्र सिंह महाराज, संपूणार्नंद महाराज सहित अन्य संत-महापुरुष उपस्थित रहें। मुख्य अतिथियों व सभी संत महापुरुषों द्वारा दीप प्रज्वलित कर और पवित्र ग्रन्थ गीता का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गीता का उपदेश मानवता का शाश्वत ज्ञान

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन भूमि से भगवान कृष्ण द्वारा दिया गीता का उपदेश मानवता का शाश्वत ज्ञान है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र अब केवल एक क्षेत्र नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय गीता की भूमि के रूप में प्रतिष्ठित हो गया है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया उपदेश आज भी मानवता को सही दिशा देने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड सरकार देवभूमि की संस्कृति और पारंपरिक धरोहरों को सहजने का काम कर रही है।

गीताः सर्वकालिक आध्यात्मिक प्रबंधन ग्रंथ

मध्य प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि गीता केवल एक धर्मग्रंथ नहीं, बल्कि योग शास्त्र ब्रह्मविद्या और मानव मनोविज्ञान की सर्वश्रेष्ठ कृति है। उन्होंने कहा कि आज से लगभग 5000 वर्ष पूर्व मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन, कुरुक्षेत्र की इसी रंगभूमि में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने अर्जुन के मोह और विषाद से घिर जाने पर जिस अमृतमयी वाणी का उद्घोष किया। उन्होंने गीता को सर्वकालिक, सार्वभौमिक और सार्वभौम बताते हुए कहा कि यह प्रबंधन, मनोविज्ञान, नेतृत्व, नैतिकता और आध्यात्म का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है।

गीता में समाहित ज्ञान में ही विश्व शांति और सद्भावना का मार्ग निहित

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि गीता में समाहित ज्ञान में ही विश्व शांति और सद्भावना का मार्ग निहित है। यह हमें द्वेष, भय और मोह से मुक्त होकर समभाव से जीवन जीने की शिक्षा देती है, जो वैश्विक एकता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हमें गीता के उपदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। निष्ठा से अपने कर्तव्यों का पालन करना ही गीता के सार का सच्चा अनुसरण है। उन्होंने कहा कि 1 दिसम्बर को केशव पार्क में वैश्विक गीता पाठ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 21 हजार बच्चे एक साथ गीता पाठ करेंगे। सुबह 11 बजे 1 मिनट एक साथ गीता का पाठ किया जाएगा।

निजी स्कूलों के प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा

- धारा 134A, आरटीई, चिराग योजना और स्कूल बस नियमों पर विस्तृत चर्चा

हरिभूमि न्यूज़ करनाल

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि करनाल के निजी स्कूलों की समस्याओं के समाधान के लिए वे आगामी दिनों में स्कूलों के एक प्रतिनिधिमंडल को चंडीगढ़ बुलाकर संबंधित उच्चाधिकारियों के साथ उनकी विस्तृत चर्चा करवाएंगे।

उन्होंने कहा कि तकनीकी और नीतिगत दिक्कतों का समाधान तभी संभव है जब अधिकारी और स्कूल प्रबंधन आपस में बैठकर मुद्दों की जड़ को समझें।

उन्होंने कहा कि एनसीआर यानी डेवलपमेंट प्लान तैयार करने में कई चुनौतियाँ आती हैं, लेकिन इन सभी का लक्ष्य हरियाणा का सर्वांगीण विकास है। "इसी व्यापक विकास सोच का परिणाम है कि आज हरियाणा प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर है।" विधानसभा अध्यक्ष शनिवार शाम टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सहोदय स्कूल और करनाल इंडिपेंडेंट स्कूल एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

134A, बस नियम, चिराग योजना व अन्य मुद्दों पर चर्चा

कार्यक्रम से पहले 'चाय पर चर्चा' के दौरान स्कूल संचालकों ने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष धारा 134A (हरियाणा विद्यालय शिक्षा नियमावली), आरटीई, चिराग योजना, स्कूल बसों से संबंधित नियमों व अन्य जटिल मुद्दों को विस्तार से रखा।

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने असमाजिक तत्वों पर लगाया मस्जिद गिराने का आरोप

रत्तूवाला में संदिग्ध हालत में नीचे गिरी आजादी से पहले की मस्जिद

- साढ़ौरा थाना में पहुंचकर मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ की कार्रवाई की मांग
- पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने मौके पर पहुंचकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को दिया मामले में जांच करके कार्रवाई का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

साढौरा थाना के गांव रत्तूवाला में देश की आजादी से पहले बनी मस्जिद बीती रात संदिग्ध हालत में नीचे गिर गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने असमाजिक तत्वों पर मस्जिद गिराने का आरोप लगाया और साढ़ौरा थाने में पहुंचकर इसका विरोध जताया। समुदाय के लोगों ने मस्जिद गिराने वाले असमाजिक तत्वों का पता लगाकर कार्रवाई करने की मांग की। है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उधर, ग्रामीणों ने मस्जिद की छत वर्षों पहले ही नीचे गिरने की बात कही है। जानकारी के अनुसार गांव रत्तूवाला में आजादी से पहले की मस्जिद बनी हुई थी। गत शुक्रवार रात मस्जिद संदिग्ध हालत में नीचे गिर गई। इसके बारे में जब मुस्लिम समुदाय के लोगों को पता चला तो वह मौके पर एकत्रित हो गए और असमाजिक तत्वों पर मस्जिद ढ़हाने का आरोप लगया। इसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोग साढ़ौरा थाना में पहुंचे और मस्जिद गिराने का विरोध जताया। समुदाय के लोगों ने बताया कि गांव रत्तूवाला में देश की आजादी से पहले मुस्लिम समुदाय के द्वारा मस्जिद बनाई गई थी। देश के बंटवारे के समय किसी कारणवश गांव में रहने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों को वहां से जाना पड़ा। मगर मस्जिद तब से अब तक वैसे ही खड़ी हुई थी। जिसकी लगातार मुस्लिम समुदाय के द्वारा देखरेख भी की जा रही थी। मगर अब असामाजिक तत्वों ने मस्जिद को गिरा दिया है। असामाजिक तत्व आपसी सौहार्द को बिगड़ने का प्रयास कर रहे हैं। जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल, डीएसीप रजत गुलिया व एसडीएम जसपाल गिल आदि मौके पर पहुंचे और मुस्लिम समुदाय के लोगों को मामले की जांच करके कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया।

यमुनानगर। रत्तूवाला में संदिग्ध हालत में गिरी मस्जिद का जमीन पर पड़ा हुआ मलबा।

रत्तुवाला में नहीं है मुस्लिम समाज का कोई घर

रत्तूवाला के सरपंच प्रतिनिधि सागर, नंबरदार रघुबीर सिंह, नंबरदार परमाल सिंह, पूर्व सरपंच बलबीर सिंह व पूर्व सरपंच कुलदीप ने एसपी कमलदीप गोयल को बताया कि उनके गांव में मुस्लिम समाज का एक भी घर नहीं है। जिस ढांचे को मस्जिद बताया जा रहा है वहां कभी भी इबादत नहीं की गई और ना ही कोई इमाम देखा गया। उन्होंने कहा कि मस्जिद की छत करीब चालीस साल पहले ही ढ़ह गई थी। बारिश में मस्जिद की दीवारों का मलबा गली में गिर गया था। जिसकी वजह से यहां से आवाजाही में मुश्किल हो रही थी। आसपास रहने वालों ने इस मलबे को हटाने के लिए पंचायत से अनुरोध किया था। मगर पंचायत ने मलबा नहीं उठाया। जिसके बाद कुछ लोगों ने मलबे को खुद ही गली से हटा दिया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने इन लोगों पर मस्जिद तोड़ने का झूठा आरोप लगा दिया। सरपंच प्रतिनिधि सागर ने बताया कि मस्जिद का जो स्थान है उसे सात वर्ष पहले प्रशासन ने आबादी के अंदर मौजूद होने की वजह से इस स्थान की रजिस्ट्री पंचायत के नाम कर दी थी। जिसके बाद से यह जगह पंचायत के नाम ही चली आ रही है

खबर संक्षेप

विदेश भेजने के नाम पर युवक से ठगी, केस दर्ज

यमुनानगर । विदेश भेजने के नाम पर गांव चाहडवाला निवासी गुरप्रीत सिंह से ठगी हो गई। ठगी का आरोप गांव तेजली निवासी धर्मेंद्र, उसकी पत्नी सोनिया रानी व बेटे दुष्यंत पर लगा है। गांव चाहडवाला निवासी गुरप्रीत सिंह ने बताया कि उसे पता चला कि गांव तेजली निवासी धर्मेंद्र लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। इस दौरान वह आरोपी से मिला। आरोपियों ने उससे लाखों रुपये व उसके दस्तावेज ले लिए। मगर उसे विदेश नहीं भेजा।

शहीद कैप्टन गुरबचन का मनाया जन्मदिवस

रादौर। डीएवी पब्लिक स्कूल रादौर में शनिवार को परमवीर चक्र विजेता शहीद कैप्टन गुरबचन सिंह सालारिया का जन्मदिवस श्रद्धापूर्वक मनाया। इस दौरान स्कूल के प्रिंसीपल रमन शर्मा व बच्चों ने शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। स्कूल प्रिंसीपल रमन शर्मा ने कैप्टन गुरबचन सिंह के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैप्टन का जन्म 29 नवम्बर 1935 को शकरगढ़ के जनवल गांव में हुआ था। इनके पिता भी फौज में थे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने पंपिंग स्टेशन का नारियल फोड़कर किया शुभारंभ

रादौर की नई स्वीकृत कॉलोनियों में सीवरेज व्यवस्था की जाएगी दुरुस्त

- काफी समय से रादौर की कई कॉलोनियों के लोग सीवरेज न होने के कारण दिक्कत का सामना कर रहे थे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर। यमुनानगर के रादौर में पंपिंग स्टेशन का शुभारंभ करते कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा। फोटो : हरिभूमि

रादौर की नई स्वीकृत कालोनियों में सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा। इसके लिए कालोनी में पंपिंग स्टेशन का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में पहुंचे हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने नारियल फोड़कर पंपिंग स्टेशन का शुभारंभ किया। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि रादौर की नई स्वीकृत कॉलोनियों में सीवरेज व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए पंपिंग स्टेशन का शुभारंभ किया गया है। जिससे रादौर की नई स्वीकृत कॉलोनियों में सीवरेज व्यवस्था का निर्माण, सीवेज पंपिंग स्टेशन व शेष क्षेत्रों में सीवरेज व्यवस्था के उन्नयन के कार्य अच्छे होंगे। अब लगातार कॉलोनियों में सीवरेज बिछाने का कार्य शुरू कर दिया जायेगा। काफी समय से रादौर की कई कॉलोनियों के लोग सीवरेज न होने के कारण दिक्कत का सामना कर रहे थे। अब जल्द उन कॉलोनियों में यह दिक्कत दूर होने जा रही है। जलापूर्ति विभाग के एसडीओ रवि नायक ने बताया कि कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने नया मेन पंपिंग स्टेशन का निर्माण, पार्क सौंदर्यीकरण व अन्य परियोजनाओं का उदघाटन किया। इस अवसर पर नपा के चेयरमैन रजनीश मेहता शालु, धर्म सिंह बंचल,विपिन कांबोज व भाजपा मंडल अध्यक्ष कृष्ण कांबोज आदि मौजूद रहे।

प्राचीन पक्का घाट रादौर में रोटरी क्लब के सदस्यों ने चलाया सफाई अभियान

रादौर। अंतराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब व इनरव्हील क्लब की ओर से शनिवार को रादौर स्थित प्राचीन पक्के घाट पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। लगभग एक घंटे की मुश्क्कत के बाद घाट को साफ किया। जिसमें नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों ने भी अपना योगदान दिया। क्लब के सचिव भारत माटिया, महिला प्रधान पूजा माटिया व इनरव्हील क्लब प्रधान लक्ष्मी चोपड़ा ने बताया कि शहर के पक्के घाट पर त्योहारों व विशेष अवसरों को लेकर भारी संख्या में शहर के लोग पक्का घाट पर पूजा अर्चना के लिए पहुंचते है। ऐसे में श्रद्धालु अपने साथ काफी संख्या में पॉलिथीन व अन्य सामग्री लेकर आते है। जो पूजा अर्चना के बाद भारी मात्रा में गंदगी घाट पर छोड़ जाते हैं। जिससे वातावरण दूषित होता है और पश्चिमी यमुना नहर में भी भारी मात्रा में गंदगी फैलती है। स्थानीय लोग इसको लेकर जागरूक नहीं है। जिससे शहर का लगभग 185 वर्ष पुराना पक्का घाट दूषित हो रहा है।

रोटरी क्लब रादौर के सदस्यों ने प्राचीन पक्का घाट पर सफाई करके उठाया कूड़ा कर्कट

रादौर। यमुनानगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रादौर में आयोजित दंत चिक्तिसा शिविर में बच्चों के दांतो की जांच करते हुए चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

शिविर में जांचे 169 बच्चों के दांत

- रादौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नि:शुल्क दंत चिकित्सा जांच शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क दंत चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र के एसएमओ डॉ. विजय कुमार ने किया। जीएसएस विद्यालय रादौर के कक्षा छठी से 12वीं तक के बच्चों के दांतो की जांच की गई। दंत चिकित्सा जांच शिविर में दंत सर्जन डॉ. पल्लवी मार्या ने बच्चों को दांतों की देखभाल के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को दांतों को बीमारियों से बचाकर स्वस्थ रखने के बारे में जागरुक किया। उन्होंने बताया कि गलत खान पान आदि का सेवन ना करके पौष्टिक भोजन का सेवन करें। शिविर में 169 बच्चों के दांतों की जांच की गई। इनमें से कुछ बच्चों के दांतों की फिलिंग की गई। सभी बच्चों को टूथपेस्ट व ब्रश वितरित किए गए। डॉ. पल्लवी आर्य ने बच्चों को सही तरीके से ब्रश करने और दांतो को बीमारियों से बचाव के उपाय बताए गए। इस अवसर पर डॉ. रेनू बाला, डॉ. विक्रम, जसबीर, अनीता, सविता आदि मौजूद रहे।

मुख्य प्राध्यापिका ने विजेता छात्रों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

- लाइक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल रादौर में चल रही प्रतियोगिताओं का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर। यमुनानगर कस्बा शहर के लाइक पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

लाइक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल रादौर में चल रही तीन दिवसीय खेल-प्रतियोगिताओं का शनिवार को समापन हो गया। मौके पर मौजूद विद्यालय की मुख्य प्राध्यापिका मंजू रानी ने बच्चों को प्रोत्साहित किया और उनके उत्साह की सराहना की। विजेता बच्चों को मुख्य प्राध्यापिका द्वारा ट्राफी एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य प्राध्यापिका मंजू रानी ने बताया कि शनिवार को प्रतियोगिता के समापन पर रिंग-रेस, बॉल-बैलेंसिंग रेस, बैलून रेस, रिंग बैलेंसिंग रेस, बैलून-बर्स्ट, खा-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई गई। जिनमें नर्सरी कक्षा के विहान, निष्ठा, कैरव, सिकंदर, पुरव, निमित, योहांस, सुनन्या, कनिष्ठ, निशांत, पार्थ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एलकेजी वर्ग से नक्ष, सुर्यान्श, पुरव, सृष्टि, प्रियांशी, रियांश, आरोही, डिम्पी, भाविक, ने अपने.अपने स्थानों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य प्राध्यापिका द्वारा सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई दी गई। उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि त्रिदिवसीय खेल आयोजन वाले बच्चे भविष्य में भी इसी उत्साह और आत्मविश्वास के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे।

हरियाणवी संस्कृति में गीता के महत्व का प्रदर्शन किया

कैथल। जिला स्तरीय गीता महोत्सव में शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीता का संदेश दिया गया। गीता संदेश सहित धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर प्रस्तुतियों ने भाव विभोर कर दिया। राष्ट्रीय एवं सामाजिक मुद्दों लेकर प्रसिद्घ हरियाणवी लोक गायिका एवं मोटिवेशनल स्पीकर रोनी रमन की प्रस्तुति ने सभी को प्रभावित किया और उनकी प्रस्तुति से कई लोगों की आंखों में आंसू थे। कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाले स्कूली बच्चों को सम्मानित भी किया गया। शनिवार सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ विधायक सतपाल जांबा ने दीप प्रज्जवलित करके किया। इसके बाद स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जिसमें सबसे पहले सुपार्श्व जैन स्कूल के बच्चों ने गणेश वंदना एवं गीता वंदना की प्रस्तुति दी। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बच्चों ने हरियाणवी संस्कृति से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी।

कांग्रेस नेताओं के मिलकर प्रयास करने पर कामयाब होगी पार्टी : दीपेंद्र हुड्डा

- कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा का रादौर में कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनागर। रादौर में सांसद दीपेंद्र हुड्डा का स्वागत करते कांग्रेसी नेता उमेश बुबका।

कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि पार्टी के सभी नेताओं के मिलकर काम करने से हरियाणा में कांग्रेस जरूर कामयाब होगी। उन्होंने उक्त बात रादौर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए स्वागत कार्यक्रम में कही। मौके पर कांग्रेस के युवा नेता उमेश बुबका ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सांसद दीपेद्र हुड्डा का जोरदार स्वागत किया।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस संगठन पूरी तरह मजबूत है। आगामी चुनाव में पार्टी के सभी नेता मिलकर काम करेंगे तो कांग्रेस जरुर कामयाब होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने के लिए आहवान किया। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने दावा जताया कि प्रदेश में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 में कांग्रेस पूरी तरह संगठित होकर अच्छा प्रदर्शन करेगी। मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों से अवगत करवाया और उन्हें जन जन तक पहुंचकर पार्टी की नीतियों से लोगों को अवगत करवाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ युवा नेता उमेश बुबका ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं का आभार प्रक्ट किया। मुकेश वर्मा, रमेश, विनोद, लवली, अनीश, कमल, महेंद्र, फूल सिंह, राजकुमार, देवी चंद, संजीव कुमार, रमेश ढिल्लों, सुरेंद्र, कमल, संजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

13 कनाल जमीन पर कब्जा तीन लोगों पर लगा आरोप

- पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव धुराला निवासी रणधीर सिंह ने गांव तेलीपुरा में उसकी बेटी संदीप कुमारी की जमीन पर कुछ लोगों द्वारा नाजायज कब्जा करके ज्वार की फसल काटने का आरोप लगाया है। विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने मामले की जांच के बाद दो महिलाओं समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव धुराला निवासी रणधीर सिंह ने सदर जगाधरी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी संदीप कुमारी की शादी गांव तेलीपुरा में हुई है। उसकी बेटी के पास अपनी ससुराल में 13 कनाल जमीन है। गांव के ही कुछ लोग उसकी बेटी की जमीन पर नाजायज कब्जा करना चाहते हैं। रणधीर सिंह ने बताया कि इस दौरान गांव के ही नीरज कुमार, उसकी पत्नी पूजा तथा सुरेंद्र कौर ने उसकी बेटी की जमीन पर नाजायज कब्जा कर लिया।

आरोपियों ने खेत में खड़ी ज्वार की फसल काटकर उसे नुकसान पहुंचाया है। जब उसकी बेटी ने आरोपियों का विरोध किया तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। परेशान होकर उसकी बेटी ने उसे घटना के बारे में बताया। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

बाहरी अनुभव व सीधा ज्ञान विद्यार्थियों को सिखाता है जीवन कौशल : गुलाटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर। यमुनानगर कस्बा रादौर के एमडीवीएम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य शैक्षणिक भ्रमण करते।

एमडीवीएम पब्लिक स्कूल रादौर के छात्रों को शनिवार को शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान स्कूल चेयरमैन अनिल कांबोज व सोनाली कांबोज मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

उन्होंने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों से परिचित कराना था। छात्रों ने पंचकूला में माता मनसा देवी मंदिर के दर्शन किए और वहाँ की धार्मिक महत्ता को समझा। इसके बाद छात्र चंडीगढ़ के लिए रवाना हुएए जहां उन्होंने प्रसिद्ध रॉक गार्डन में कला व रचनात्मकता का अनूठा प्रदर्शन देखा। दिन का समापन शांत और सुरम्य सुखना लेक पर हुआए। जहाँ छात्रों ने प्रकृति की सुंदरता का आनंद लिया। भ्रमण की व्यवस्था स्कूल की मैनेजमेंट टीम ने की। विशेष रूप से स्कूल के चेयरमैन अनिल कम्बोज, सोनाली कम्बोज ने छात्रों की सुरक्षा, परिवहन व जलपान की उत्तम व्यवस्था सुनिश्चित की। स्कूल की प्रिंसिपल अंजू गुलाटी ने शैक्षिक भ्रमण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कक्षा के बाहर का यह अनुभव छात्रों को सीधा ज्ञान और जीवन कौशल सिखाता है। ऐसे दौरे न केवल मनोरंजन करते हैं, बल्कि उनके ज्ञान के क्षितिज को भी विस्तृत करते हैं और उन्हें अपनी विरासत से जोड़ते हैं। शैक्षिक भ्रमण में स्कूल के सभी शिक्षक और कर्मचारी भी छात्रों के साथ मौजूद रहे। जिन्होंने उनका मार्गदर्शन किया और उन्हें हर स्थल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

बैंक में आई महिला के पर्स से नकदी और गहने चोरी

- पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के रेलवे स्टेशन रोड पर पीएनबी बैंक में आई महिला का थैला काटकर चोरों ने थैले में रखें पर्स से साढे 20 हजार रुपए की नगदी, सोने की अंगूठी तथा मोबाइल चोरी कर लिया। महिला को जब अपना थैला कटा देखा तो उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

शहर की आजाद नगर कॉलोनी निवासी सुषमा ने शहर यमुनानगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार को दोपहर 12 बजे रेलवे स्टेशन रोड स्थित पीएनबी बैंक में गई थी। उसने बैंक से 20 हजार रुपए निकाल कर अपने पर्स में डाल लिए। उसने पर्स को अपने थैले में रख लिया। उसके पर्स में पहले से ही एक सोने की अंगूठी तथा पांच सौ रुपए और मोबाइल रखा हुआ था। इस दौरान चोरों ने उसके थैले को काटकर पर्स निकाला और उसमें से नगदी, सोने की अंगूठी व मोबाइल चोरी कर लिया। जब उसे अपने पर्स से सामान गया मिला तो वह परेशान हो गई। उसने इधर-उधर आरोपी चोरों का पता लगाने का प्रयास किया। मगर उसे कोई भी सुराग नहीं लग पाया। बाद में उसने मामले की सूचना पुलिस को दी।

समस्या आधा किलोमीटर की लिंक सड़क पर जेसीबी से मलबा उखाड़ा गया था मलबा

गांव नाचरौन संपर्क मार्ग पर मलबे के ढेर राहगीरों के लिए बने परेशानी का सबब, वाहन हो रहे दुर्घटनाग्रस्त

- ग्रामीणों ने की मलबे के ढेर हटाए जाने और सड़क की रिपेयर जल्द किए जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर। गांव नाचरौन के लिंक मार्ग के किनारे पड़े मलबे के ढेर व उखड़ी हुई बजरी। फोटो : हरिभूमि

रादौर क्षेत्र के गांव नाचरौन के निर्माणाधीन मार्ग पर उखाड़े गए वेस्ट मलबे के सड़क किनारे लगे ढ़ेर व मार्ग पर उखड़ी हुई बजरी लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। ग्रामीणों ने सड़क की रिपेयर जल्द किए जाने की मांग की है। क्षेत्र के समाजसेवी लाभ सिंह, रविंद्र कुमार व राहुल कुमार आदि ने बताया कि गांव नाचरौन में करीब आधा किलोमीटर की लिंक सड़क की रिपेयर करने के लिए कुछ दिन पहले जेसीबी से मलबा उखाड़ा गया था। जिसके मलबे के ढेर सड़क किनारे डाल दिए गए। वहीं, मलबा उखाड़ने से सड़क पर उखड़ी बजरी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। उनका कहना है कि आजकल विवाह शादियों का मौसम चल रहा है। वहीं, किसान अपने खेतों से गन्ना आदि से भरे वाहन सड़क मार्ग से ले जा रहे हैं। मगर सड़क पर मलबे के ढ़ेर व उखड़ी हुई बजरी से वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। वहीं, रोजाना सैंकड़ो की संख्या में बच्चे स्कूल व कालेजों समेत अन्य शिक्षण संस्थानों में जा रहे हैं। मगर मार्ग पर रिपेयर का काम धीमी गति से चलने से लोग परेशान हैं। लिंक मार्ग की चौड़ाई पहले ही कम थी। अब सड़क किनारे मलबा के ढ़ेर पड़े होने से लोगों को अपने वाहन निकालने मुश्किल हो रहे हैं। आलम यह है कि कई बार मार्ग पर दोनों तरफ जाम लग जाता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन व संबंधित विभाग से लिंक मार्ग की रिपेयर जल्द किए जाने की मांग की।

ग्रीन पार्क की निर्माणाधीन सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। नगर निगम अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रीन पार्क क्षेत्र के लोग।

यमुनानगर के ग्रीन पार्क क्षेत्र के नागरिकों ने नगर निगम के उच्चाधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर ग्रीन पार्क के निर्माणाधीन मार्ग पर सड़क हादसों पर नियंत्रण करने के लिए स्पीड ब्रेकर बनाए जाने की मांग की है। नागरिकों ने निर्माणाधीन मार्ग से तेज गति से वाहनों का आवागमन होने का आरोप लगाया है। ग्रीन पार्क क्षेत्र निवासी आरके शर्मा, सुदर्शन गर्ग, कृष्ण कुमार, मुकेश कुमार, राजेंद्र भाटिया, संदीप दत्ता ,नरेंद्र मेहता व सुधीर पांडे ने बताया कि ग्रीन पार्क की सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस सड़क का आधे से ज्यादा हिस्सा बन चुका है। उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर रामपुरा की कार मार्केट स्थित है। इस मार्केट में लोग अपनी गाड़ियां ठीक करवाने के लिए पहुंचते हैं और ग्रीन पार्क मार्ग पर अपनी गाड़ियों को ट्राई लेने के लिए तेजगति से दौड़ाते हैं। वहीं, अन्य वाहन भी इस सड़क से होकर गुजरते हैं। जिससे लोगों को तेजगति से दौड़ रहे वाहनों से हर समय कोई न कोई हादसा होने का डर सताता रहता है। नागरिकों ने बताया कि मार्ग पर पहले भी कई सड़क हादसे हो चुके हैं। मगर अभी तक स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव : कलाकारों ने शरीर को रंगों से रंगकर आदिवासी वेशभूषा में किया नृत्य

राजस्थानी लोक नृत्य 'सहरिया स्वांग' ने छोड़ी अनोखी छाप

तरुण वधवा ▶▶| कुरुक्षेत्र

ब्रह्मसरोवर के तट पर राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा लोक नृत्य सहरिया स्वांग नृत्य अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में छाप छोड़ने का काम कर रहा है। ग्रुप लीडर के नेतृत्व में 15 सदस्यों की टीम सहरिया स्वांग नृत्य के द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। सहरिया स्वांग नृत्य में कलाकर तीन प्रकार के नृत्यों के द्वारा अपनी बेहतरीन कला का प्रदर्शन करते हैं, जिसमें भस्मासुर स्वांग, कालिका का स्वांग व होलिका स्वांग के द्वारा अलग-अलग मुद्राओं में अपनी कला की छाप दर्शकों के मन पर छोड़ रहे हैं। कलाकार ने बातचीत करते हुए कहा कि स्मासुर स्वांग में भगवान शिव और भस्मासुर की विधाओं को दशार्या जाता है, इसी प्रकार कालिका स्वांग चेत्र मास में किया जाने वाला स्वांग है और इसी प्रकार होलिका स्वांग फागुन माह में किया जाने वाला नृत्य है। सहरिया स्वांग में कलाकार अपने शरीर को विभिन्न प्रकार के रंगों से रंगकर आदिवासी वेशभूषा में शेर, बन्दर, नाग इत्यादि का रूप बनाकर नृत्य करते हैं। कलाकारों ने बताया कि उन्हें यहां पर आकर अपनी कला का प्रदर्शन करने का मौका मिला है, जिसे पर्यटक बहुत ही उत्सुकता से देख रहे है और उन्हें भी यहां के लोगों को नृत्य के माध्यम से अपनी लोक संस्कृति से रूबरू करवाने का मौका मिला है।

कुरुक्षेत्र। श्रीमद भागवत कथा में साध्वी मोक्षिता से आशीर्वाद लेते सूरज भान कटारिया।

भागवत कथा में कटारिया ने लिया साध्वी मोक्षिता दीदी से आशीर्वाद

कुरुक्षेत्र। अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती 2025 के पावन अवसर पर कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा ज्योतिसर के गीता उपदेश स्थली में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शामिल होकर साध्वी मोक्षिता दीदी से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के पूर्व सदस्य एवं भाजपा नेता सूरजभान कटारिया ने आशीर्वाद प्राप्त किया। यह भागवत कार्यक्रम नियमित 26 नवंबर से 1 दिसंबर तक भव्य रूप से आयोजित होगा। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह श्रद्धालुओ को संबोधित करते हुए कटारिया ने कहा की हमें अपने जीवन में भागवत आचरण अपना कर नर सेवा जन सेवा का कल्याण कार्य अपनाना चाहिए। उन्होंने गुरु शंकारानंद जी महाराज के आशीर्वाद से चल रही भगवान दत्तात्रेय मंदिर से जुड़ी साध्वी मोक्षिता दीदी मुखवंदन से चल रही श्रीमद् भागवत श्रीमद भागवत में शामिल होकर अपने जीवन को निहाल बताया। इस अवसर पर अभिमन्यु वर्मा, रामकुमार राहुल सुविधा, जगमाल सिंह चंदेल, महिपाल फूले आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मीडिया चौपाल गीता के प्रचार-प्रसार का माध्यम: मनोहर लाल

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा 10वी अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर हरियाणा पैवेलियन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के द्वारा पहली बार लगाई गई मीडिया चौपाल पर मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री भारत सरकार, एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा, सुभाष सुधा पूर्व राज्य मंत्री हरियाणा सरकार एवं अन्य गणमान्य लोगों ने शिरकत की। इस अवसर पर केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा स्थापित हरियाणा पवेलियन और मीडिया चौपाल से हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और गीता के प्रचार-प्रसार को नया मंच मिला है।उन्होंने मीडिया चौपाल पर रू-ब-रू होते हुए कहा कि मीडिया चौपाल के माध्यम से एक और गीता के प्रचार-प्रसार को नया मंच दिया गया है वही दूसरी और हरियाणा पैवेलियन में आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के रचनात्मक विद्यार्थियों द्वारा लगाये गए विभिन्न स्टॉल स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रहे हैं।इस अवसर पर सुभाष सुधा, पूर्व राज्य मंत्री, हरियाणा सरकार ने कहा कि मीडिया चौपाल एक ऐसा मंच है जिसमें अपनी बात अपनी बोली और अपणी भाषा में अपणी संस्कृति और पवित्र गीता के श्लोकों पर चर्चा हो रही है। प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने कहा कि संस्थान की टीम जिनमें डॉ. आबिद अली, डॉ. अभिनव, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. सतीश राणा, नरेश कुमार और विद्यार्थी मानसी, ज्योति, अंजली, अंकिता, वीनू, अरुण, गजेंद्र, लक्ष्य चौहान, युषी मीडिया चौपाल पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

संध्या कालीन आरती में विश्व हिन्दू परिषद ने लिया भाग

कुरुक्षेत्र। धर्मानगरी कुरुक्षेत्र में चल रहे अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती कार्यक्रम के दौरान सांय कालीन ब्रह्म सरोवर आरती में विश्व हिंदू परिषद की प्रांत सह मंत्री अनीता मान व विभाग संगठन मंत्री मान्यवर कुलदीप व विश्व हिन्दू परिषद की जिला कुरुक्षेत्र की इकाई के साथ भाग लिया। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की ओर से अनिता मान व संगठन मंत्री कुलदीप को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गयासंध्याकालीन आरती में उनके साथ विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता, जिला मंत्री राजेंद्र सैनी, जिला प्रचारक व प्रसार प्रमुख राजेश अरोड़ा ,बजरंग दल संयोजक रोहतास सैनी, विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता , कली राम मथाना,बाबू राम शुक्ला व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन पेवेलियन में प्रतिदिन हजारों लोग ले रहे योजनाओं की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र स्थित पवित्र ब्रह्मसरोवर के तट पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा लगाया गया भव्य पेवेलियन लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में आगंतुक यहां पहुंचकर नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रवृत्ति योजना और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। नवीन जिन्दल फाउंडेशन के इन प्रयासों को लेकर युवाओं, अभिभावकों और आम लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पेवेलियन में लगे महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर के स्टॉल पर संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न कोर्सेज की विस्तारपूर्वक

जानकारी दी जा रही है। इनमें इलेक्ट्रिशियन, कोपा, टीपीएएस, वेल्डर, सिलाई मशीन ऑपरेटर, मशरूम कल्टीवेशन, नेचुरल फार्मिंग, एआई बेस्ड करियर काउंसलिंग, एनआईईएलआईटी द्वारा संचालित सीसीसी कोर्स, आईबीएम द्वारा संचालित एआई-एमएल डेटा एनालिस्ट प्रोग्राम जैसी रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण सुविधाएँ शामिल हैं।

युवा तकनीकी आधारित करियर बनाने के प्रति रुचि दिखा रहे

इन कोर्सों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में युवा इस स्टॉल पर पहुंच रहे हैं, जो तकनीकी व कौशल आधारित करियर बनाने के प्रति उनकी रुचि को दर्शाता है। नवीन जिंदल फाउंडेशन के पेवेलियन में कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर के स्टॉल इंचार्ज डॉ. जयगोपाल धीमान ने बताया कि उनके संस्थान में क्लाउड कंप्यूटिंग, कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव, एमएसएमई लोन ऑफिसर, रिटेल सेल्स एग्जीक्यूटिव, करियर काउंसलिंग, एडवांस्ड अकाउंटिंग एवं जीएसटी, जेन-एआई, जर्मन अप्रेंटिस तथा वीएलसीसी ब्यूटी कोर्सेज जैसे कई रोजगारपरक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। नवीन जिन्दल फाउंडेशन पेवेलियन के कोऑर्डिनेटर डॉ. राज कुमार ने बताया कि पेवेलियन में सांसद नवीन जिन्दल द्वारा क्षेत्र में कराए गए विविध जनहितकारी कार्यों का विस्तृत प्रदर्शन किया गया है।

नुक्कड़ नाटक में एनीमिया और कुपोषण जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को दर्शाया

कुरुक्षेत्र। स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान के अंतर्गत कार्यरत स्टेट सपोर्ट मिशन ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025, कुरुक्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह पहल स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू के नेतृत्व में तथा संयुक्त निदेशक एवं ररट की नोडल अधिकारी डॉ. नीरू और स्टेट सपोर्ट मिशन हरियाणा के टीम लीड श्री राहुल सिंगला के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। कार्यक्रम में गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अमीन मार्ग कुरुक्षेत्र की छात्राओं द्वारा कार्यक्रम में प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक में एनीमिया और कुपोषण जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को प्रभावी रूप से दर्शाया गया। कार्यक्रम में आए आगंतुकों को जानकारीपूर्ण सामग्री वितरित की गई तथा जनसामान्य को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति जागरूक करने हेतु व्यापक जागरूकता अभियान चलाए गए। इस जन-जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. अमिता रानी, सुश्री दीपि बिष्ट, सुश्री मोनिशा एवं मनीष मित्तल सहित टीम के अन्य सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह कलेर, उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र कुमार, प्रबंधक बलबीर प्रकाश, कोषाध्यक्ष सुरेश सैनी, शिक्षाविद डॉ हरि प्रकाश शर्मा, सदस्य डॉ सौरभ त्रिखा व डॉ राजेश अग्रवाल, महिला प्रतिनिधि श्रीमती अंजलि शर्मा, प्रांत प्रतिनिधि संजय चौधरी एवं प्राचार्या सुमन बाला ने छात्राओं के बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

मीडिया चौपाल से जन-जन तक पहुंचा रहा गीता का संदेश: कृष्ण पंवार

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा 10वी अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर हरियाणा पैवेलियन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के द्वारा पहली बार लगाई गई मीडिया चौपाल पर कृष्ण पंवार, पंचायती राज मंत्री, हरियाणा सरकार ने शिरकत की। उन्होंने मीडिया चौपाल पर रू-ब-रू होते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के द्वारा लगाये गये हरियाणा पैवेलियन पर मीडिया चौपाल पर आकर गांव की चौपाल की यादें ताजा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा लगाई की मीडिया चौपाल पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दैनिक चचार्ओं से पवित्र गीता का संदेश जन-जन तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र का सदैव प्रयास यही है कि हरियाणा संस्कृति और पवित्र गीता के संदेश जन-जन तक पहुंचे और जन-जन गीतों के संदेशों को अपनी जीवन में आत्मसात करे। प्रोफेसर पूनिया ने कहा कि संस्थान की टीम जिनमें डॉ. आबिद अली, डॉ. अभिनव, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. सदीश राणा, नरेश कुमार और विद्यार्थी मानसी, ज्योति, अंजली, अंकिता, वीनू, अरुण, गजेंद्र, लक्ष्य मीडिया चौपाल पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

श्रीकृष्ण जन्म सिर्फ घटना नहीं प्रेम की विजय का प्रतीक : संत वेदांत पुरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

राजेंद्र नगर स्थित अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती पर श्रीअद्वैत स्वरुप अनंत आश्रम नंगली वाली कुटिया में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन कृष्ण जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जैसे ही कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग आरंभ हुआ, सैकड़ों श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। संत वेदांत पुरी ने जन्मोत्सव का बखान करते हुए कहा कि जब-जब धर्म पर संकट आया और आसुरी शक्तियों ने धरती पर अत्याचार बढ़ाए, तब-तब भगवान ने भक्तों के कल्याण और धर्म की रक्षा के लिए अवतार धारण किया। कंस के अत्याचारों से व्यथित धरती माता की पुकार सुनकर श्रीहरि ने देवकी के गर्भ से अष्टम पुत्र-श्रीकृष्ण-का रूप धारण किया और धर्म की स्थापना के लिए कंस का विनाश किया। कथा वाचक ने कहा कि भागवत कथा सुनने का अवसर मिलना अत्यंत दुर्लभ होता है। कथा तभी सार्थक होती है जब हम उसके बताए मार्ग पर चलकर जीवन में सद्कर्म करें। उन्होंने भक्तों को शिक्षा दी कि भगवान से बड़ा कोई नहीं, और हमें हमेशा गोवर्धन रूपी प्रकृति और हमारे आराध्य की पूजा करनी चाहिए. इन दिव्य लीलाओं के वर्णन के बीच, स्वामी जी के मधुर भजनों पर श्रोता भावविभोर होकर नृत्य करने लगे। मंच का संचालन चंद्र प्रकाश धमीजा ने किया। आश्रम के प्रवक्ता महात्मा दिव्यानंद ने बताया कि 30 नवंबर दिन रविवार को सुबह 9 बजे हवन यज्ञ के साथ श्रीमद् भागवत कथा का समापन होगा।

- भागवत कथा के सातवें दिन कृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

कुरुक्षेत्र। श्रीमद् भागवत कथा में दिखाई गई वासुदेव की झांकी।

29 वर्षों की सेवा के बाद प्रो. देवेंद्र खुराना सेवानिवृत्त, विवि ने दी सम्मानित विदाई

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य प्रो. देवेंद्र खुराना शनिवार को 29 वर्ष तक सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हुए। प्रो. खुराना ने वर्ष 2010 से लगातार श्री कृष्ण आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल में अपनी सेवाएं देते हुए शिक्षा, शोध और चिकित्सकीय कार्यप्रणाली को नई दिशा प्रदान की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने उन्हें सम्मान पूर्वक विदाई दी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने कहा कि प्रो. देवेंद्र खुराना ने अपनी सेवा अवधि में संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विद्यार्थियों के हित में उनका समर्पण और अनुशासन प्रेरणादायक रहा है। विश्वविद्यालय उनके योगदान को सदैव सम्मान पूर्वक याद रखेगा। कुलसचिव प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रो. खुराना ने शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ संस्थान की प्रशासनिक और चिकित्सकीय सेवाओं को भी मजबूत किया। संस्थान पहुंचने पर विश्वविद्यालय परिवार द्वारा प्रो. देवेंद्र खुराना, उनके पिता केएल खुराना, पत्नी डॉ. सीमा, बहन सरिता, बेटी सुचिता, रिश्तेदार राजेश समेत परिवार के सभी सदस्यों का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर प्रो. जितेश कुमार पंडा, प्रो. आशीष मेहता सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों और स्टाफ ने उन्हें भावभीनी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रो. रविराज, प्रो. दीप्ति पराशर, प्रो. राजा सिंगला, प्रो. सतीश वत्स, प्रो. शीतल सिंगला, प्रो. कृष्ण कुमार, प्रो. शोभा कौशल, प्रो. पीसी मंगल, प्रो. सीमा रानी, प्रो. सचिन शर्मा, प्रो. मनोज तंवर, प्रो.आशु आदि मौजूद रहे।

बुर्जुग महिला से आशीर्वाद लेने वालों का लगा तांता

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय व कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में पुरुषोत्तमपुरा बाग में लगा हरियाणा पवेलियन सबके आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है, खास तौर पर पवेलियन में बुर्जुग महिला से आशीर्वाद लेने वाले लोगों का तांता लगा हुआ है। ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जो पैवेलियन में आया हो और उसने बुर्जुग महिला से आशीर्वाद ना लिया हो। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक डा. विवेक चावला ने बताया कि हरियाणा पैवेलियन में हरियाणा की लोक संस्कृति को प्रस्तुत किया गया है। खास तौर पर धरोहर संग्रहालय द्वारा लगाए गए तीन स्टॉलों पर लोगों की खूब भीड़ है। हरियाणा की मान सम्मान की प्रतीक चौपाल और वहां पर रखे विश्व के सबसे बड़े हुक्के को भी देखने के लिए पर्यटक खूब रूचि दिखा रहे है।

पलकें ही पलके बिछाएंगे जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे.....पर झूमे श्यामप्रेमी

थानेसर। सोशल ऑगेर्नाइजेशन गुदगुदी जंक्शन समूह कुरुक्षेत्र के धार्मिक ग्रुप-2 /"सांवरिया सरकार/" के द्वितीय स्थापना दिवस पर शुक्रवार देर सांय श्री श्याम संकीर्तन एवं भंडारा आयोजित किया गया। श्यामप्रेमी अजय गोयल ने बताया कि सांवरिया सरकार ग्रुप के द्वितीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में समस्त श्यामप्रेमी परिवार,कुरुक्षेत्र द्वारा नया बस स्टैंड के श्रीसिद्धेश्वर महादेव मंदिर में 555वाँ श्री श्याम संकीर्तन एवं भंडारा आयोजित किया गया। मंदिर के पुजारी पंडित रमन शर्मा द्वारा संरक्षक जितेंद्र बंसल,अध्यक्ष चंद्रमौलि गौड़, बलजीत चावला, सचिन गुप्ता एडवोकेट, दिनेश गोयल, गगनदीप ढींगरा और राकेश कंसल आदि पदाधिकारियों से श्याम पूजन करवाया गया। तत्पश्चात सभी श्यामप्रेमियों द्वारा पावन श्री श्याम जोत प्रज्ज्वलित की गई। श्रीगणेश, मां सरस्वती और गुरु वन्दना से विधिवत शुरू हुए कार्यक्रम में श्याम जगत के प्रसिद्ध गायक गौरव शान ने श्याम प्रभु का गुणगान किया। /"लो आ गया अब तो श्याम, मैं शरण में तुम्हारी/"...., /"कोई प्यार से मेरे श्याम को पुकारो/"...,/"पलकें ही पलके बिछाएंगे जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे/".....,/"सांवरी सूरत पे मोहन दिल दीवाना हो गया/"...इत्यादि भजनों पर श्यामप्रेमी झूम उठे।

हरियाणा में गुरुकुल कुरुक्षेत्र का बैंड द्वितीय

कुरुक्षेत्र। हरियाणा समग्र शिक्षा अभियान के तहत रोहतक में आयोजित स्टेट लेवल बैंड कंपटिशन में गुरुकुल कुरुक्षेत्र के बैंड ने द्वितीय स्थान हासिल किया है जिसके बाद गुरुकुल के छात्रों में उत्साह का माहौल है। निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार एवं प्राचार्य सूबे प्रताप ने विद्यालय की बैंड टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी। वहीं गुरुकुल के संरक्षक एवं गुजरात के राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत जी ने बैंड में शामिल सभी छात्रों को दूरभाष पर शुभकामनाएं दीं। निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि समग्र शिक्षा के तहत रोहतक के सुनारिया खुर्द के मानव रत्न ग्लोबल स्कूल में शुक्रवार 28 नवम्बर 2025 को राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता हुई जिसमें विभिन्न स्कूलों की टीमां ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में गुरुकुल कुरुक्षेत्र के बैंड मास्टर प्रशान्त कुमार के नेतृत्व में गुरुकुल की टीम ने भाग लिया और शानदार प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल ने गुरुकुल के बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए टीम को द्वितीय स्थान प्रदान किया। गुरुकुल पहुंचने पर बैंड की पूरी टीम का निदेशक, प्राचार्य एवं अन्य स्टाफ द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

कार्यक्रम सरस्वती वंदना से हुआ जिलास्तरीय गीता जयंती समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उदघाटन

गीता जयंती महोत्सव के आयोजन से गीता के आदर्शों व मूल्यों को रखा जाता लोगों के समक्ष : कंवलजीत

पहले दिन हरियाणवी नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

महान ग्रंथ गीता धर्मग्रंथ होने के साथ-साथ हमारे जीवन जीने की शैली भी है। हमारे जीवन के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर गीता में निहीत है। जीवन के उतार-चढ़ाव में प्रत्येक मनुष्य को गीता धर्मग्रंथ में अपनी समस्याओं के हल मिल जाते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा गीता जयंती महोत्सव का आयोजन करवाकर गीता के आदर्शों तथा मूल्यों को लोगों के समक्ष रखने का कार्य किया जाता है। जिला परिषद की चेयरमैन कंवलजीत कौर ने शनिवार को मुख्यातिथि के रूप में जिलास्तरीय गीता जयंती महोत्सव का उदघाटन किया तथा समारोह में आमजन को सम्बोधित किया। उन्होंने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर जिलास्तरीय गीता जयंती समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उदघाटन किया। इससे पहले हवन यज्ञ में आहुति डाली गई, जिसमें शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

पिहोवा। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करती जिला परिषद की चेयरमैन कंवलजीत कौर।

सरस्वती तीर्थ पर विभिन्न स्टॉल लगाए गए

इस मौके पर मंच का संचालन उमाकांत शास्त्री द्वारा किया गया। जिला परिषद की चेयरमैन कंवलजीत कौर ने कहा कि आज शनिवार को सरस्वती तीर्थ के तट पर जिलास्तरीय गीता जयंती समारोह का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर उन्होंने उपमंडल प्रशासन को तीन दिवसीय जिलास्तरीय गीता जयंती समारोह के सफल शुभारंभ पर बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के समारोह आमजन को विशेष तौर पर युवाओं को गीता के ज्ञान से रूबरू करवाते हैं। उन्होंने स्कूली बच्चों को उनकी प्रस्तुति की प्रशंसा करके उनका हौसला अफजाही की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव ने विश्व में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। इसी प्रकार उपमंडल स्तर पर जिलास्तरीय गीता जयंती समारोह में आमजन काफी रूची दिखा रहे हैं तथा आई हुई भीड़ से ज्ञात होता है कि लोगों के अंदर इस समारोह की भव्यता को लेकर कितना उत्साह है। समारोह के पहले दिन कैमब्रिज वर्ल्ड स्कूल के बच्चों द्वारा माँ सरस्वती वंदना, बीएसएन स्कूल द्वारा शखेका उच्चारण, एजीएस स्कूल द्वारा कृष्ण जी पर नृत्य, सीडी पब्लिक स्कूल रामजी व हनुमान जी पर नृत्य, डीएवी पब्लिक स्कूल द्वारा पंजाबी नृत्य, बीएमएस स्कूल द्वारा हरियाणवी नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। इस मौके पर रंगोली प्रतियोगिता में पहले स्थान पर डीएवी स्कूल, द्वितीय स्थान पर टैगोर बाल निकेतन स्कूल तथा तृतीय स्थान पर गीता मॉडल स्कूल रहे। गीता महोत्सव के दौरान सरस्वती तीर्थ पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नगरपालिका चेयरमैन आशीष चक्रपाणि, मार्केट कमेटी चेयरमैन तरणदीप सिंह वडैच, उप-प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र ढींगरा, युधिष्ठिद्वर बहल, रामधारी शर्मा, सतीश सिंगला, लाडी पाल, सतीश सैनी, नवीन गर्ग, मामराज बैरागी, रघुविंद्र सिंह, जय भगवान बागल, गैरी, हनु चक्रपाणि, नगरपालिका सचिव अशोक कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी रामराज सहित सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा सभी गण्यामान्य लोग उपस्थित थे।

प्रो. अमित लूदरी ने संभाला विधि संस्थान के निदेशक का कार्यभार

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार विधि विभाग के प्रो. अमित लूदरी ने शुक्रवार को देर सायं इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ के निदेशक का कार्यभार संभाला। यह नियुक्ति आगामी दो वर्षों के लिए या अगला आदेश आने तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी। प्रो. अमित लूदरी ने अपनी नियुक्ति पर कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे विधि शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने एवं विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनमें जताए गए विश्वास पर वे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से खरा उतरेंगे। इस अवसर पर प्रो. सुशीला चौहान, प्रो. अमित कुमार, डॉ. कृष्णा अग्रवाल, डॉ. मंजिदर गुलियानी, डॉ. तृप्ति चौधरी, डॉ. सुमित सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी रोहताश उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरीशुदा 3 स्कूटी व 5 बाइक बरामद किए गए है। आरोपी आदतन चोर है। थाना पडाव में दर्ज मामले में आरोपी को पीओ घोषित किया हुआ है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में भी चोरी के मुकदमे दर्ज हैं। इस मामले के पीड़ित महिला ने 16 नवंबर को शिकायत दर्ज करवाई थी कि इंदिरा पार्क गांधी मार्केट आरोपी ने उसकी एक्टिवा चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

अंबाला। थाना साहा में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी रवि उर्फ जोनी व रामचरण उर्फ पंजाबी को गिरफ्तार किया है। बिहटा गांव के मंजीत सिंह ने 22 नवंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 19/20 नवंबर को आरोपी रवि, रामचरण व अन्य ने बैटरी, बास्किट व अन्य सामान चोरी किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

बाइक सवार सोने की चेन झपटकर फरार

अंबाला। अंबाला-दिल्ली हाईवे पर शास्त्री कॉलोनी के निकट बाइक सवार दो झपटमार दवा कारोबारी के गले से सोने की चेन झपटकर ले गए। शास्त्री कॉलोनी के मनदीप सिंह भाटिया ने शोर भी मचाया लेकिन तब तक बदमाश भाग चुके थे। बाइक के पीछे प्लेट भी न होने के कारण नंबर नोट नहीं कर पाए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पड़ाव थाना पुलिस ने कारोबारी मनदीप सिंह की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी। साथ ही आरोपियों का पता लगाने के लिए इलाके के सीसीटीवी खंगालने शुरू कर दिए।

धोखाधड़ी का आरोपी तीन दिन के रिमांड पर

अंबाला। थाना शहजादपुर में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने आरोपी मुकेश कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी को तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। पीडित महिला ने 19 जुलाई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 9 अक्तूबर 2023 से 30 अप्रैल 2024 के दौरान आरोपी मनोज कुमार व अन्य ने उसके पति को विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी करने का आपराधिक कार्य किया है।

डिजिटल अरेस्ट मामले में आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के मामले में दिल्ली के आरोपी हैदर को गिरफ्तार किया है। उसे पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। दौराने रिमाण्ड आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी। बीडी फ्लोर मिल एरिया के रहने वाले प्रीत पाल सिंह ने 16 सितंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी ने डिजिटल अरेस्ट कर उससे मामले में उससे एक बड़ी रकम धोखाधड़ी से हड़पने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

शहर के रामबाग में जिला स्तरीय गीता महोत्सव शुरू, डीसी ने हवन में आहुति डालकर महोत्सव का किया आगाज

नगाड़ा पार्टी ने पहले दिन मचाया धमाल डेरू के वादन पर जमकर थिरके कलाकार

हरियाणवी संस्कृति पर आयोजित कार्यक्रमों में भी स्कूली छात्रों ने दिखाई शानदार प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला । गीता जयंती महोत्सव के विभिन्न दृश्य। फोटो :हरिभूमि

अंबाला शहर के रामबाग मैदान में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता महोत्सव का शुभारंभ शनिवार को हवन यज्ञ के साथ किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसडीएम अंबाला शहर दर्शन कुमार, सीईओ गगनदीप, नगराधीश अभिषेक गर्ग, जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालडा, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। गीता महोत्सव में विभिन्न विभागों व संस्थाओं द्वारा 32 स्टाल लगाए गए हैं। इस प्रदर्शनी का उदघाटन उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने किया। उद्घाटन उपरांत उपायुक्त, जिला परिषद चेयरमैन मक्खन सिंह लबाना सहित अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टाल पर जानकारी प्राप्त कर उनकी सराहना की। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के उपरांत उपायुक्त ने कहा कि प्रदर्शनी में लगाए गए स्टाल के माध्यम से लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी का अवलोकन करने आने वाले लोगों को अधिकारी, कर्मचारी अपने विभाग से सम्बन्धित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें। जिससे कि पात्र व्यक्ति इन योजनाओं का लाभ उठा सके। उपायुक्त अजय सिंह तोमर द्वारा मंच पर सुशोभित श्रीमद्भगवद गीता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। गीता जयंती महोत्सव के प्रथम दिन भारी संख्या मे लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और जानकारी प्राप्त की जिनमें स्कूली बच्चों के साथ-साथ अन्य लोग भी शामिल रहे। इस अवसर पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कहा कि रामबाग मैदान में तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जोकि 1 दिसंबर तक आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जिला स्तर पर गीता जयंती महोत्सव मनाने के साथ-साथ कुरूक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर आयोजित गीता जयंती महोत्सव में बढ़-चढक़र भाग लें और यहां लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त करें। इस मौके पर उपायुक्त ने जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि गीता जयंती महोत्सव हर वर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाने का काम किया जाता है। उनके लिए सौभाग्य की बात है कि जब वह यहां पर 2015 में बतौर एसडीएम के पद पर तैनात थे तो यहां पर गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया था। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों व अन्य को कहा कि हमें श्रीमद्भगवदगीता के उपदेशों को आत्मसात करते हुए अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। गीता में यह भी संदेश दिया गया है कि कर्म करो फल की चिंता मत करो, यानि किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बिना फल की चिंता किए परिश्रम करें। इस अवसर पर नगर निगम मेयर शैलजा संदीप सचदेवा ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता भगवान श्री कृष्ण की वाणी है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता की अराधना करना हम सबका कर्तव्य है। केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती महोत्सव मनाना शुरू किया गया था जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कुरूक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गीता महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुरूक्षेत्र की धरा पर आज से लगभग 5 हजार वर्ष पूर्व लड़े गए धर्म युद्ध महाभारत की साक्षी रही है। कुरूक्षेत्र की रणभूमि पर ही योगेश्वर कृष्ण के मुखारविंद से गीता का ज्ञान प्रवाहित हुआ और भारत को गीता का अमूल्य ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विगत दिवस कुरूक्षेत्र में गुरू तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित समागम में तथा अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में शिरकत करना हम सबके लिए खुशी की बात है।

ये रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी श्रीमद्भगवदगीता के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में लगे हुए हैं और अब गीता जयंती महोत्सव को विदेशों में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति विभिन्न स्कूलों के बच्चों तथा कलाकारों द्वारा दी गई। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी एवं एडवोकेट संदीप सचदेवा, संजय लाकड़ा, सुरेश सहोता, हरपाल सिंह कांबोज, रेडक्रॉस सोसायटी सचिव विजय लक्ष्मी, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनीषा गागट, सीडीपीओ सुमन बाला, बीईओ सतबीर सैनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों व संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में लगी प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों में उत्साह, अवलोकन कर की सराहना। अंबाला शहर के बुजुर्ग रमेश अग्रवाल ने कहा कि गीता जयंती समारोह में आकर उन्हें बेहद गर्व महसूस होता है और वे हर साल इस आयोजन में आते है। उन्होंने कहा कि गीता जयंती समारोह का आयोजन करना सरकार का एक बढिया कदम है। उन्होने कहा कि गीता का उपेदश मनुष्य को उन्नति के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाने का एक माध्यम है। अंबाला शहर के राकेश ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता मानव जाति के लिए एक ऐसा ग्रंथ है जिसमें हर उम्र के लिए एक संदेश है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में इसका आयोजन करने के साथ साथ पीके गोयल ने कहा कि वे प्रत्येक वर्ष यहां पर गीता जयंती महोत्सव को देखने आते है। उन्होंने कहा कि गीता के ज्ञान से पूरे विश्व की शंकाएं और समस्याएं दूर हो सकती है। उन्होने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिये गये निष्काम कर्म के संदेश को अपने जीवन में धारण करना चाहिए।

दर्शकों को किया आकर्षित

गीता जयंती महोत्सव में प्रदर्शनी स्थल पर हरिणावी वाद्य यंत्रों से सुसज्जित पार्टियों ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। पलवल जिला के बंचारी से आई नगाड़ा पार्टी ने पवन के नेतृत्व में रसिया की बेहतरीन प्रस्तुति दी। होली खेलन आयो री नंदलाल की प्रस्तुति नगाड़ा के माध्यम से दी गई। नगाड़ा पार्टी द्वारा हरियाणी संस्कृति का बखान अपने भजनों के द्वारा किया गया। तेरी जय हो मोहन राम, जंगल में मंगल कर दे, जो लेता तेरा नाम, के द्वारा भगवान की महिमा का गुणगान किया। नगाड़ा पार्टी की प्रस्तुति की सराहना गीता जयंती महोत्सव में आए लोगों द्वारा की गई। कैथल से आई डेरू पार्टी के सदस्य गोल्डी व अन्य ने गौरखनाथ गोगा पीर महाराज के भजन का गुणगान किया। उन्होंने अपने भजन गुरू गौरखनाथ चले आओ, अब तो अलख जगाने को तथा बागड देश में ददरेवा गांव मेरा गुरू गौरख का चेला गोगा नाम मेरा के द्वारा अपनी प्रस्तुति दी। दर्शकों ने तालियां बजाकर उनकी प्रस्तुति की सराहना की। जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में कलाकारों ने हिंदी, हरियाणवी एवं पंजाबी लोक संस्कृति पर आधारित गीतों एवं भजनों की छटा बिखेरने का काम किया। स्कूली बच्चों द्वारा अपनी नृत्य शैली के द्वारा भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप की लीलाओं का बेहतरीन मंचन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गौरव घावरी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा अपनी प्रस्तुति के द्वारा लोगों का मनोरंजन किया और तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने काली कमली वाला मेरा यार है, मेरे मन का मोहन तू दिलदार है तथा घनश्याम तेरी बंसी पागल कर जाती है, मुस्कान तेरी मोहन पागल कर जाती है भजन के माध्यम से श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए। कार्यक्रम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर के विद्यार्थियों द्वारा धार्मिक प्रस्तुति, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बलदेवनगर के विद्यार्थियों द्वारा भगवान श्री कृष्ण पर आधारित बेहतरीन भजन की प्रस्तुति दी गई, कांवेंट ऑफ सैटफ सोयल की विद्यार्थी जीविका द्वारा राधा कृष्ण की प्रस्तुति दी गई तथा आयुष विभाग द्वारा वाईब्रेक योग की प्रस्तुति दी गई।

योजनाओं की दी जानकारी

जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टाल पर लोगों को विभिन्न विभागों द्वारा अपने अपने विभाग से सम्बंधित योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। बिजली निगम के स्टाल पर नोडल ऑफिसर गगनदीप सिंह द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि घरों पर सोलर रूफटोप सिस्टम लगवाने के लिए भारत सरकार द्वारा अधिकतम 78 हजार रूपए की सब्सिडी दी जा रही है। केन्द्र सरकार की सब्सिडी के अलावा हरियाणा के एक लाख गरीब परिवारों को सोलर रूफटोप सिस्टम लगवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिकतम 50 हजार रूपए तक की सब्सिडी दी जाएगी। यह सब्सिडी पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी। इस बारे में ओर अधिक जानकारी के लिए उपभोक्ता अपने नजदीकी बिजली निगम के कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। इस स्टाल पर जिला मंत्री पवन कुमार सिंगला, केंद्र प्रमुख श्याम लाल, संगठन मंत्री राज कुमार, जोन प्रधान कनुप्रिया तथा जिला उप प्रधान मामचंद द्वारा योग संबंधी जानकारी दी गई। जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव समारोह में प्रदर्शनी स्थल पर सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा सरकार की योजनाओं के साथ-साथ श्रीमद्भगवदगीता से संबंधित फ्लेक्स डिस्प्ले किए गए।

पत्र भेजकर अनुशासनहीनता करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

- दूसरे दलों से आए नेता संगठन को कर रहे हैं कमजोर, पार्टी के मूल कार्यकर्ता हासिए पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला । मेयर शैलजा सचदेवा व भेजा गया पत्र।

नगर निगम की मेयर शैलजा संदीप सचदेवा और कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा के खिलाफ बयानबाजी को लेकर मेयर ने कड़ी आपत्ति जताते हुए पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली को शिकायत भेजी है। उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को पत्र लिखकर अनुशासनहीनता करने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।मेयर शैलजा संदीप सचदेवा ने यह पत्र पीएम मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष, प्रदेश संगठन मंत्री फनेंद्र नाथ शर्मा को भी भेजा है। पत्र में उन्होंने जिला कार्यालय से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी मंच का दुरुपयोग किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। मेयर ने पत्र में कहा कि हाल ही में कुछ कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिला कार्यालय का इस्तेमाल कर पार्टी की ही कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा और स्वयं महापौर शैलजा संदीप सचदेवा के खिलाफ बेबुनियाद और अनर्गल बयानबाजी की। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां सीधे तौर पर पार्टी संगठन को कमजोर करने का काम कर रही हैं। मेयर ने आरोप लगाया कि हाल के वर्षों में दूसरे दलों से भाजपा में आए कुछ लोग केवल "सत्ता की मलाई" चाटने के उद्देश्य से पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग भाजपा की विचारधारा से कोसों दूर हैं और पार्टी कार्यालय का उपयोग कर मूल कार्यकर्ताओं को हाशिए पर धकेलने का प्रयास कर रहे हैं। यह भाजपा जैसी अनुशासित पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ है। पत्र में यह भी कहा गया कि वर्षों के संघर्ष और कठिन मेहनत के बाद आज भाजपा जिस मुकाम पर पहुंची है और जिन मूल कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय खड़ा किया। उसी कार्यालय का दुरुपयोग उन्हीं को खत्म करने के लिए किया जा रहा है। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि पार्टी के भविष्य के लिए भी खतरनाक संकेत हैं। मेयर शैलजा संदीप सचदेवा ने इस पूरे मामले में जिला अध्यक्ष की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा है कि इससे कार्यकर्ताओं में गलत संदेश जा रहा है और ऐसा प्रतीत होता है।

राजनीति में अंदरूनी खींचतान

मेयर ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह जल्द ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर अंबाला में संगठन को कमजोर करने वाली इन गतिविधियों की पूरी जानकारी साझा करेंगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग रखेंगी। इस पूरे मामले के सामने आने के बाद अंबाला की भाजपा राजनीति में अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई है।

आरोपितों की परेड करवाने पर मंत्री विज ने एसएचओ की पीठ थपथपाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। एसएचओ की पीठ थपथपाते मंत्री अनिल विज।

अंबाला छावनी में गत दिनों पुलिस द्वारा कोचिंग सेंटर से घर जा रही युवती से छेड़छाड़ और फिर लड़की के माता-पिता से मारपीट मामले में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कैंट थाना पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की प्रशंसा की है। शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए अनिल विज ने कैंट थाना के एसएचओ सुरेंद्र की पीठ थपथापते हुए कहा कि वह एसएचओ को शाबासी देना चाहते हैं। एसएचओ ने मामले में बढ़िया कार्रवाई करते हुए मामले में अच्छा संदेश शहर को दिया है। उन्होंने कहा कि अंबाला छावनी में गुंडागर्दी करने नहीं दी जाएगी। छावनी में महिलाएं बच्चियां जब चाहे अपने घर-दफ्तर जा सकती हैं। यदि कोई गुंडागर्दी करेगा तो हमारी पुलिस उसे नहीं छोड़ेगी। गौरतलब है कि जनसुनवाई के दौरान युवती व उसके परिवार ने मंत्री अनिल विज को शिकायत दी थी जिसपर उन्होंने कैंट थाना पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इस मामले में शुक्रवार को पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके सिर मुंडवा दिए थे जिसके बाद उन्हें पैदल बाजारों से ले जाते हुए मौका-ए-वारदात स्थल पर जाकर जांच की थी। पकड़े गए आरोपियों में एक हिस्ट्रीशीटर भी था।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से विद्यार्थियों ने हिन्दुस्तान की विरासत को दर्शाया

- डीएवी हाई स्कूल में भारत से इंडिया तक यात्रा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो :हरिभूमि

डीएवी हाई स्कूल में शनिवार को वार्षिक कार्यक्रम भारत से इंडिया तक की यात्रा का शानदार आयोजन किया। दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए छात्रों ने अपने हुनर से धूम मचा दी। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने यह दिखाया कि भारत कैसे असतित्व में आया। किस तरह यह देश विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है। कार्यक्रम में रिटायर आईआरएस अधिकारी एमएम जुल्का बतौर मुख्यअतिथि पधारे थे। रिटायर प्रोफेसर आरसी शर्मा व नपा सदस्य हरमिंद्र सिंह भी कार्यक्रम में विशेष तौर पर पधारे थे।

अभिभावकों का आभार जताया

इसके अलावा डीएवी स्कूल की निदेशक शिवानी सरीन, डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या सीमा व कर्नल आरडी सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में छात्रों ने आकर्षक नृत्य, मनमोहक गीतों , प्रभावशाली नाटकों व विचारपूर्ण मूक अभिनय से धमाल मचा दिया। छात्रों ने भव्य प्रस्तुतियों के जरिए अवधारणा को जीवंत कर दिया। प्रत्येक प्रस्तुति ने गहरी सांस्कृतिक समझ मेहनत व उत्कृष्ट कलात्मक अभिव्यक्ति को दर्शाया। अतिथियों ने भारत की विरासत को उजागर करने पर स्कूल के प्रयासों की जमकर सराहना की। निदेशक शिवानी सरीन छात्रों के साथ स्टाफ की मेहनत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवा शिक्षार्थियों को भारत की विरासत से जोड़ने का काम करते हैं। विद्यालय की प्राचार्या वंदना शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्कूल के सभी शिक्षकों, स्टाफ, छात्रों व उनके अभिभावकों का भी आभार जताया।

कार्यक्रम अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर किया विशेष /"रेल यात्री संपर्क/" अभियान का आगाज

आत्मनिर्भर भारत के तहत रेल संपर्क अभियान का शुभारंभ किया

भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया यात्रियों को स्वदेशी वस्तुएं अपनाने के लिए जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

संपर्क अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन पर सहयोगियों के साथ मौजूद भाजपा नेता।

छावनी रेलवे स्टेशन पर शनिवार को भाजपा जिलाध्यक्ष मनदीप राणा पूर्व विधायक संतोष सारवान, आत्मनिर्भर भारत अभियान के लोकसभा संयोजक राजेश बतोरा ने आत्मनिर्भर भारत के तहत रेल संपर्क अभियान का शुभारंभ किया। अभियान की शुरुआत होते ही स्टेशन परिसर में खासा उत्साह देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ता अलग–अलग टीमों में बंटकर यात्रियों, फूड स्टॉल संचालकों और आसपास मौजूद लोगों को स्वदेशी के महत्व के बारे में जागरूक करते नजर आए। मनदीप राणा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का जो विज़न रखा है इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए जनभागीदारी सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि शनिवार का यह रेल संपर्क अभियान उस संकल्प को और मजबूत करने वाला है। उनके अनुसार आत्मनिर्भर भारत सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन है जिसके माध्यम से देश की आर्थिक संरचना को मजबूती मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय उद्योगों को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने यात्रियों से बातचीत कर उन्हें बताया कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है। साथ ही फूड स्टॉल संचालकों को भी स्थानीय स्तर पर निर्मित सामानों के उपयोग को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया गया। कई यात्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियानों से लोगों में जागरूकता बढ़ती है और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है। स्टेशन परिसर में लगे पोस्टरों और पंफलेट्स के माध्यम से भी आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को समझाया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि छोटे उद्योगों, ग्रामीण कारीगरों और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देकर हम न केवल देश की उत्पादन क्षमता बढ़ा सकते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अभियान के दौरान हितेश जैन,रमेश पाल नहोनी,जिला महामंत्री करमचंद गोल्डी सैनी,सतीश धीमान,अनमोल सोबती,मंडल अध्यक्ष दिनेश लदाना,कुलदीप बड़ौला,हरजिंदर पाल सिंह,सरदूल सिंह,पिंकू सूद,फकीर चंद,शेर सिंह नग्गल,अमरजीत सारंगपुर,निर्मल सिंह धुराला,गुरदेव दत्त, साहिल कक्कड़ व अन्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 30 नवंबर 2025

सुदृढ़ संचार व्यवस्था हो या सामरिक सुरक्षा का मामला, कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी की बात हो या प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाना हो, इन सबके लिए स्पेस टेक्नोलॉजी में नित नई ऊंचाई छूना जरूरी है। इस दिशा में इसरो निरंतर अग्रसर है। यही नहीं विश्व की स्पेस सुपर पावर बनने के लिए भी इसरो के पास कई इंपॉर्टेंट प्रोजेक्ट्स और प्लानिंग्स हैं। इन सभी पर एक विस्तृत नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाई छूने के लिए
निरंतर अग्रसर इसरो

{ कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव }

इसरो द्वारा तीन साल के भीतर अंतरिक्षयान निर्माण की तीन गुनी क्षमता का लक्ष्य निर्धारण, भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा का पूर्वाभास है। यदि यह हासिल हो जाता है, तो भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी भी न सिर्फ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के समानांतर खड़ी होगी बल्कि विश्व अंतरिक्ष बाजार में भी वह बहुत बड़ी खिलाड़ी बन जाएगी।

देश की प्रगति के लिए जरूरी: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो का अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को तिगुना करने का फैसला, देश की बदलती सामरिक, वैज्ञानिक और आर्थिक प्राथमिकताओं के पूर्वाभास सरीखा है। इसरो चाहता है कि खुद को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल सके, ताकि वो निजी कंपनियों की तेज भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा के बीच अविलंब आगे आ सके। उसकी यह पहल, देश को विश्व की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में ऊपरी स्थान दिलाने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है। अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को बढ़ाना कई वजहों से जरूरी है। 5जी से बढ़कर 6जी की ओर बढ़ना है, तो सैकड़ों छोटे उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजना ही होगा। पृथ्वी अवलोकन और जलवायु निगरानी उपग्रहों की मांग भविष्य में बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

वैश्विक शक्ति बनने की है सामर्थ्य: वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उपग्रहों और उनकी सेवाओं की मांग अभूतपूर्व तरीके से बढ़ रही है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के चलते आने वाले दशक में हजारों नए उपग्रह लॉन्च होने की उम्मीद है।

भारत के पास सस्ता, तेज, कुशल और विश्वसनीय अंतरिक्ष अभियान संचालन की बेहतर क्षमता है, इसको पूरी दुनिया जान और मान रही है। तमाम देश इसके लिए भारत की ओर आकर्षित भी हैं। लेकिन अंतरिक्ष यान निर्माण-क्षमता के सीमित होने के कारण देश बेहतरीन कौशल होने के बावजूद इस तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा। इसरो अभी सालाना औसतन 6 से 7 अंतरिक्षयान बनाता है। तीन साल बाद क्षमता तीन गुना होने का मतलब है कि वह 18 से 21 अंतरिक्षयान प्रति वर्ष तैयार कर सकेगा। फिर उसके पास अन्य देशों के उपग्रहों के लांच के लिए न सिर्फ पर्याप्त यान होंगे बल्कि उन्हें लांच के लिए विंडो भी। कम समय अंतराल पर होने और निर्माण तथा लांच सुविधाएं सीमितता के चलते इसरो के कई प्रक्षेपण कार्यक्रम आपस में ओवरलैप करते हैं। इसरो द्वारा उत्पादन वृद्धि के साथ सैटेलाइट इंटीग्रेशन सेंटर्स की संख्या बढ़ाना इस ओवरलैप को कम करेगा। अंतरिक्षयानों की संख्या में वृद्धि भारत को वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं के बड़े बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा, जहां आज

अमेरिका की स्पेस-एक्स जैसी निजी कंपनियां लगभग एकछत्र राज कर रही हैं।

संभावनाएं-क्षमताएं हैं भरपूर: आज भारत, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में केवल 2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इसरो इसे 2030 तक 8 फीसद तक ले जाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। क्षमता विस्तार, निजी साझेदारी और नई तकनीकों का विकास इसे संभव बना सकता है। बेशक इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी दर्ज होगी तथा संबंधित क्षेत्र में साख भी बढ़ेगी। असल में इसरो की रणनीति महज अपने अंतरिक्ष यानों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इस दौर में जब देश में कई स्पेस स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, इसरों की प्लानिंग है कि अंतरिक्षयान निर्माण में तमाम बड़ी निजी कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुब्रो, गोदरेज, एचएएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, स्काईरूट, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस तथा अन्य छोटे

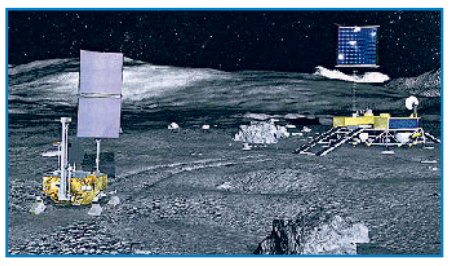

स्टार्टअप्स को भी वह इस काम में बड़े पैमाने पर साझेदार बनाए ताकि इससे भारत में 'एयरोस्पेस मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री' का विकास तीव्र हो। वह अमेरिका में नासा और स्पेस-एक्स जैसे सरकारी एजेंसी और निजी कंपनी के आपसी सहयोग जैसे मॉडल को भारतीय परिस्थितियों में संभव बनाना चाहती है। इससे देश, संबंधित कंपनियों और आखिरकार इसरो को लाभ पहुंचेगा।

निजी क्षेत्रों को कर रहा प्रोत्साहित: जल्द ही भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी उद्योग-निर्मित पीएसएलवी इसी परिवर्तन की ज्वलंत निशानी बनेगा। इसरो खूब जानता है कि निजी क्षेत्र जितना बड़ा होगा, उसको उतनी ही सुविधा होगी। वह उन पर बहुत से तकनीकी और निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी देकर अपना ध्यान ज्यादा से ज्यादा प्रक्षेपण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान मिशनों पर केंद्रित कर पाएगा। इसरो को निजी-सरकारी कंपनियों के सहयोग से तीन गुनी यान निर्माण क्षमता हासिल हो गई, तो उसका परोक्ष प्रभाव यह भी होगा कि इसरो के वैज्ञानिक मिशन तेजी से पूरे होंगे, वाणिज्यिक लॉन्च बढ़ेंगे। ऐसे में भारत वैश्विक उपग्रह-निर्माण और प्रक्षेपण बाजार में बेहद कमाऊ और प्रभावी खिलाड़ी बन सकेगा। इनके अलावा इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और ज्यादा बढ़ेगी, तो विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम होती जाएगी। बड़ी बात यह भी कि पांच मॉड्यूल वाला देश का अंतरिक्ष स्टेशन समय पर स्थापित करने की संभावना भी इससे मजबूत होगी।

कई स्तरों पर करनी होगी पहल: इसरो के सभी प्रोजेक्ट्स समय से पूरे हों, इस लिए भी इसरो को अपनी यान निर्माण क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। चंद्रयान-4 भारत के लिए अमेरिका के अपोलो कार्यक्रम की तरह विशिष्ट होगा। यह चंद्रमा से नमूने वापस लाकर भारत को उस सैंपल रिटर्न टेक्नोलॉजी में सक्षम बनाएगा, जो संसार के महज तीन देशों के पास है। इसी तरह जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ लूपेक्स मिशन, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ की मौजूदगी तलाश उसकी उपयोगिता समझने का अवसर देगा। यह भविष्य के मानव मिशनों के लिए ईंधन और पानी का स्रोत समझाएगा। भारत अपने अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल को 2028 तक पूरा करते हुए 2035 तक पांच मॉड्यूल वाला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण में सरकार की जो भूमिका हो सकती है, वह यह है कि उसके द्वारा अंतरिक्ष नीति और विनियमों को सरल बनाया जाए ताकि निजी निवेश, इसरो को लंबी अवधि की फंडिंग और स्टार्टअप ईकोसिस्टम को बढ़ावा मिले, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पर नियमित निवेश एवं निजी भागीदारी को गति मिले, जिससे इसरो अधिक प्रक्षेपण केंद्र और ट्रैकिंग स्टेशन स्थापित कर सके। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विस्तार पर भी सरकार को जोर देना होगा। फिलहाल इसरो का फैसला देश को वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आर्थिक शक्ति बनाएगा, लाखों नौकरियों का सृजन, युवा वैज्ञानिकों के लिए अवसर पैदा करेगा। *

कई प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

इसरो के लिए आने वाला दशक निर्णायक है। इस वर्ष और अगले वर्ष में इसरो के पास आधे दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शेष हैं और अगले कुछ वर्षों में संचालित होने वाले इसरो के पूर्व नियत कई प्रमुख अभियान तो बहुत जटिल और महत्त्वाकांक्षी हैं। गगनयान के कई मानव-रहित परीक्षण, मानव सहित गगनयान, 2028 में जाने वाला चंद्रयान-4, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिशन लूपेक्स, एसएसएलवी निर्माण तथा रि-यूजेबल लॉन्च व्हीकल का विकास, शुक्रयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, नई पीढ़ी के संचार उपग्रह जैसे कई महत्त्वाकांक्षी मिशन पर कार्य जारी है।

डिजिटल गेम्स वर्तमान है शानदार-उज्ज्वल है भविष्य

हाल के वर्षों में मनोरंजन के लिहाज से डिजिटल गेम्स का क्रेज जबर्दस्त तरीके से बढ़ा है, निरंतर इसमें इजाफा भी हो रहा है। खासतौर पर इसे लेकर नई पीढ़ी में बहुत दीवानगी देखी जाती है। इसकी क्या हैं वजहें और कैसा है भविष्य, जानिए।

{ टेक्नोलाइफ
लोकमित्र गौतम }

आज के युग में मनोरंजन, शिक्षा और तकनीकी प्रयोग का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन चुके हैं-डिजिटल गेम्स। मोबाइल, कंप्यूटर, टैबलेट और गेमिंग कंसोल के जरिए खेले जाने वाले ये खेल महज खेल नहीं हैं बल्कि आज की तारीख में अरबों रुपए का कारोबार भी है। नई पीढ़ी के बीच इन डिजिटल गेम्स का आकर्षण इतना अधिक है कि अब ये डिजिटल गेम्स एक पूरी संस्कृति का रूप ले चुके हैं।

क्या होते हैं डिजिटल गेम्स: डिजिटल गेम्स सही मायने में इलेक्ट्रॉनिक खेल होते हैं। इन्हें डिजिटल गेम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये किसी डिजिटल डिवाइस के जरिए खेले जाते हैं। जैसे- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टैबलेट या वीडियो गेम कंसोल। डिजिटल गेम्स में ग्राफिक, ध्वनि और उपयोगकर्ता का सीधे-सीधे संपर्क या इंट्रैक्शन संभव है। यह इंट्रैक्शन या संपर्क दो तरीके से होता है। इसमें एक है वर्चुअल अनुभव। वास्तव में यह किसी अनुभव के आधार पर तैयार किए जाते हैं और यहीं इनकी भूमिका बदल जाती है। यह केवल शारीरिक सक्रियता या महज मनोरंजन का कारण नहीं होते बल्कि कभी-कभी सीखने, कभी रणनीति बनाने, कभी निर्णय क्षमता को परखने या उसे विकसित करने तथा कभी-कभी हीनभावना को दूर करने का तरीका भी होते हैं।

दीवानी है नई पीढ़ी: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स को लेकर बहुत ज्यादा आकर्षण या कहें क्रेज है। विशेषकर जनरेशन जेड और अल्फा, डिजिटल दुनिया में जन्मी, पली-बढ़ी पीढ़ियां इन खेलों की दीवानी हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इनका बचपन मोबाइल और इंटरनेट के साथ खेलते और इस्तेमाल करते हुए गुजरा। इसलिए डिजिटल गेम्स को ये मनोरंजन नहीं कहते बल्कि अपने व्यक्तित्व की पहचान, प्रतिस्पर्धा और आत्म अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं।

इसलिए बढ़ रहा इतना क्रेज: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स का इतना क्रेज इसलिए है, क्योंकि यह वास्तविक अनुभव देता है। आज के डिजिटल गेम्स में एक साथ वीआर यानी वर्चुअल रियलिटी और एआर यानी ऑग्मेंटेड रियलिटी का इस्तेमाल होता है, जिसे खिलाड़ी इन्हें दूर से खेलता हुआ नहीं लगता बल्कि खुद को वह खेल के भीतर का हिस्सा समझता है और खेल के रोमांच को पल-पल महसूस करता है। दुनिया के किसी कोने से किसी दोस्त के साथ, किसी अजनबी के साथ, इन खेलों को खेला जा सकता है यानी आज की डिजिटल लाइफ के अनुकूल ये ऑनलाइन गेम की सुविधा प्रदान करते हैं और सबसे आकर्षक बात यह है कि डिजिटल गेम्स, एक रिवॉर्ड सिस्टम से भी जुड़ा होता है यानी प्वाइंट, लेवल और खरीदारी के लिए वाउचर जैसी सुविधाओं का मौजूद होना खिलाड़ियों को अलग ही दुनिया के रोमांच से जोड़ देते हैं। आज की तारीख में डिजिटल गेम्स महज खेलने की डिजिटल गतिविधि भर नहीं हैं बल्कि यह एक किस्म की सामाजिक प्रतिष्ठा बन चुके हैं। युवाओं में गेमिंग अब अपने आपमें एक स्टेटस सिंबल बन चुका है। लोकप्रिय गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और फैंस भी मिलते हैं। इस तरह डिजिटल गेम्स मनोरंजन करने के साथ-साथ हमारे तनाव मुक्ति का भी जरिया हैं। इस कारण भी युवाओं में डिजिटल गेम्स को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

ऐसे हुई डिजिटल गेम्स की शुरुआत: वर्ष 1962 की बात है, एमआईटी यानी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका में दो युवाओं ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम स्पेस वार बनाया। स्टीव रसेल और उनके दोस्त मार्टिन ग्रेट्ज ने पहले-पहल इस डिजिटल गेम्स की अवधारणा को 1961 में रखा था। लेकिन बाद के एक साल में उनके साथ उनके चार और दोस्त आ जुड़े, ये थे- वेन विटानन, पीटर सैमसन, डेन एडवर्ड्स और एलन कोटाक। इन सभी ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम्स स्पेस वार सीडीपी-1 कंप्यूटर पर बनाया। यहीं से आधुनिक वीडियो गेम उद्योग की शुरूआत हुई।

जहां तक भारत में डिजिटल गेमिंग की शुरुआत का सवाल है तो यह सन 1990 के दशक में आया, जब कंप्यूटर और इंटरनेट भी धीरे-धीरे आम लोगों तक पहुंचने लगे थे। भारत का पहला स्वदेशी डिजिटल गेम 'भारतः द गेम' (1998) माना जाता है, जिसे सिनका गेम्स कंपनी ने विकसित किया था। हालांकि गेम बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हुआ।

डिजिटल गेम्स का भविष्य: जहां तक डिजिटल गेम्स की दुनिया के भविष्य का सवाल है तो यह बेहद उज्ज्वल और तकनीकी रूप से बेहद रोमांचक है। साल 2025 में वैश्विक गेमिंग इंडस्ट्री बढ़कर 250 अरब अमेरिकी डॉलर की हो चुकी है और इसमें बहुत बड़ा हिस्सा भारत के डिजिटल गेम्स प्रेमियों का भी है। क्योंकि साल 2024 के अंत तक भारत में सक्रिय गेम्स की संख्या बढ़कर 40 करोड़ हो चुकी है। शायद यह डिजिटल गेमिंग का ही विस्तार है कि आज ई-स्पोर्ट्स की दुनिया बड़े पैमाने पर उभरी है और लाखों लोग इसे अपना करियर बनाकर अपना भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित कर रहे हैं। *

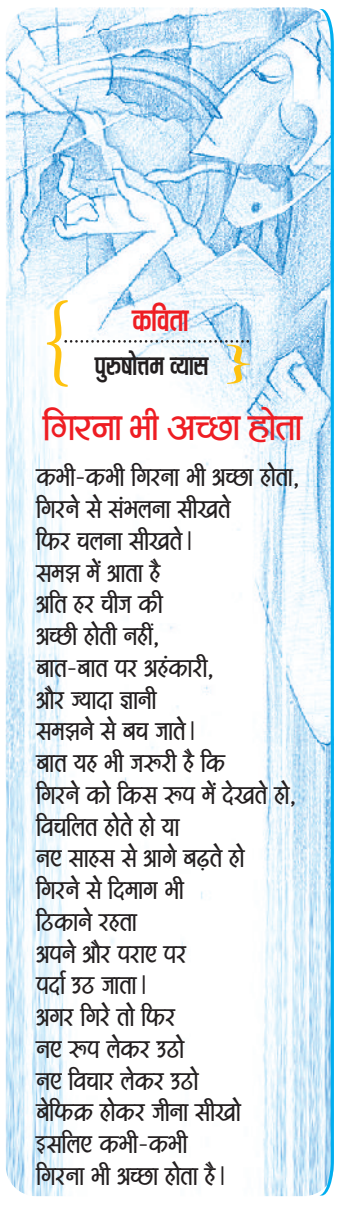

{ कविता
पुरुषोत्तम व्यास }

गिरना भी अच्छा होता

कभी-कभी गिरना भी अच्छा होता,
गिरने से संभलना सीखते
फिर चलना सीखते।
समझ में आता है
अति हर चीज की
अच्छी होती नहीं,
बात-बात पर अहंकारी,
और ज्यादा ज्ञानी
समझने से बच जाते।
बात यह भी जरूरी है कि
गिरने को किस रूप में देखते हो,
विचलित होते हो या
नए साहस से आगे बढ़ते हो
गिरने से दिमाग भी
ठिकाने रहता
अपने और पराए पर
पर्दा उठ जाता।
अगर गिरे तो फिर
नए रूप लेकर उठो
नए विचार लेकर उठो
बेफिक्र होकर जीना सीखो
इसलिए कभी-कभी
गिरना भी अच्छा होता है।

{ व्यंग्यात्मक संस्मरण
डॉ. मुकेश असीमित }

टिकट विंडो की लाइन

रेलवे स्टेशन की टिकट विंडो आजकल किसी आध्यात्मिक तप जैसी लगती है। अमृत योजना का थोड़ा-बहुत बजट खर्च कर चार खिड़कियां बना दी गई हैं, पर चारों के सामने उतनी ही लंबी लाइनें, मानो चार अलग-अलग धर्मपंथ हों और भक्त सभी जगह समान संख्या में हों।

मैं बड़ी होशियारी से सबसे छोटी लाइन में लगा, और जैसे ही लगा किस्मत मेरी गर्दन पकड़कर मुझ पर हंस रही हो जैसे। मेरी लाइन कछुए की चाल से और बाजू वाली लाइन खरगोश की गति से फुर्र-फुर्र बढ़ती जा रही थी।

खिड़की पर एक बुजुर्ग बाबू थे, शायद रिटायरमेंट के ठीक पहले के अंतिम वर्ष में। चश्मा उतारते, लगाते, की-बोर्ड को किसी वेद-पाठ की तरह एक-एक अक्षर छूते। स्क्रीन पर अक्षर प्रकट होता तो उनके चेहरे की झुर्रियां भी खिल उठतीं, मानो तकनीकी उन्नयन का चमत्कार उन्हें रोज नई जवानी दे रहा हो। रेलवे ने शायद फैसला कर रखा है कि यह महाशय अपना अंतिम प्रण और अंतिम प्रणय दोनों इसी खिड़की पर छोड़ेंगे।

इतने में एक दुबला-पतला अधेड़ मेरी कोहनी पसलियों में गड़ाता हुआ फुसफुसाया, 'कौनसी ट्रेन चाहिए साहब? बोलो तो जुगाड़ कर दूं, अंदर तक पहुंच है। बस सौ का एक नोट एक्स्ट्रा।'

मैंने विनम्रता से मना कर दिया। विनम्रता पर उसने जर्दे-भीगे होंठों से मोबाइल और मुझे संयुक्त रूप से एक गाली दी और फुर्र हो गया। उसकी प्रतिक्रिया खीझ से उत्पन्न हुई, जैसे कोई एक डील होते-होते रह गई हो।

मोबाइल ही आजकल इन लंबी लाइनों का आधुनिक तपो-साधन है, सभी यात्री उसमें गुम। मैं भी व्हाट्सएप की दुनिया में तल्लीन था, तभी आगे शोर हुआ। एक यात्री जिसकी ट्रेन छूटने वाली थी, लाइन तोड़कर हथेली खिड़की के नैनो साइज के छेद में घुसा चुका था कि दूसरा यात्री अपना हाथ निकाल ही नहीं पा रहा था। अब विवाद यह नहीं कि किसकी बारी, बल्कि यह कि सबसे पहले हाथ कौन निकाले!

बाबू ने सीटी बजाई। दो पुलिसकर्मी अपनी तोंदें, बाल्टी की तरह लटकाते हुए आए। लाठी को हवा में घुमाते हुए स्थानीय भाषा में अपशब्दों का ऐसा समन्वित गान किया कि लाइन तुरंत सीधी हो गई। दोनों यात्रियों के हाथ बड़ी मुश्किल से निकाले गए। इस खींचतान में एक की हस्त-धारित भारतीय मुद्रा फट गईं और उसके मुंह से निकली गालियां व्यवस्था की संपूर्ण संस्थाओं को समर्पित थीं, रेलवे, सरकार, मंत्री से लेकर कुली तक कोई नहीं छूटा।

मैं फिर मोबाइल में चला गया। नया वर्ष आने में महीना है लेकिन कंपनियां जैसे चाहती हैं कि इस बार मैं चार नए कपड़ों, दो नई चॉकलेटों और पांच नए कूपनों से लैस रहूं। ऑफर ऐसे कि लगता है हर कंपनी ने मेरे लिए ही सुकुमारी ब्रांड की मॉडल को विज्ञापन में खड़ा किया है। एक बार जल्दबाजी में मैंने सुकुमारी के मोहपाश में बंधे सब्सक्रिप्शन डाल दिया था, तभी से वह मेरे जीवन की स्थाई सदस्य बन चुकी है।

मोबाइल भी क्या करे। कंपनियां चाहती हैं कि आप दिन-रात उसी से चिपके रहो। कभी धमाका सेल, कभी फ्लैश सेल, कभी लास्ट स्टॉक, हड़प लो!

नई पीढ़ी को ये सेल-ऑफर ऐसे जकड़ती है कि किसी उल्टे-सीधे काम में ऊर्जा लगे, उससे अच्छा है कि स्क्रीन पर अंगूठा फिसलाते रहो। गेम्स, जुआ, सट्टा, लॉटरी सब आपके दरवाजे पर नहीं, आपकी जेब में बैठा है।

इधर मेरा मोबाइल भी मेरा पूरा जीवन समझता है- कब रिचार्ज खत्म होगा? कब बीमा एक्सपायर होगा? कब कार की सर्विसिंग करानी है?

कब पुरानी कार बेचे चार साल हो गए? यह सब याद दिला रहा है।

सच कहूं तो मोबाइल ने आदमी को अकेला किया, या अकेलापन आदमी को मोबाइल तक ले गया, ये तफरीक अब मैं भी नहीं कर पाता।

मोबाइल पर आध्यात्मिक गुरुओं के संदेश, प्रेरक कथन और भविष्यवाणियां भी तड़ातड़ आ रहे हैं। सुबह-सुबह इतनी 'ज्ञान-वर्षा' कि दिमाग की हार्ड डिस्क फुल होकर ओवरहीट हो जाए। पर सही कहूं, रेलवे की लाइनें और मोबाइल दोनों ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की लाइफलाइन हैं। एक में लगकर देश चलता है और दूसरे में खोकर आदमी। इतने में मेरी लाइन भी दो-चार इंच आगे बढ़ गई।

शायद मेरे नंबर का भी समय आ रहा था और मोबाइल पर एक नया मैसेज भी। *

{ लघुकथा / सतीश उपाध्याय }

दरवाजा

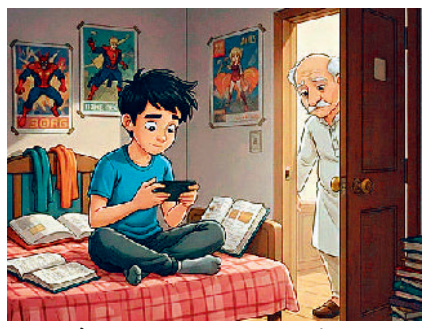

'मम्मी, दादाजी की वजह से हमारी पढ़ाई डिस्टर्ब होती है, बार-बार हमारे कमरे में आ जाते हैं।' परेश ने अपनी मां से दादाजी की शिकायत की। सामने कुर्सी पर बैठे दादाजी अखबार पढ़ रहे थे, वह तुरंत बोले, 'नहीं बेटा, ऐसी बात नहीं है। तुमको मैंने तीन घंटे से नहीं देखा था, इसलिए ऐसे ही तुम्हें देखने तुम्हारे कमरे में चला आया था।' परेश की मम्मी बेटे का पक्ष लेते हुए बोलीं, 'बाबूजी, थोड़ा बुद्धि से काम लिया करिए। स्कूल से कितना होमवर्क मिलता है, असाइनमेंट पूरा करना होता है। अगर वह आपसे बात करेगा तो उसका होमवर्क कैसे पूरा हो पाएगा?' दादाजी आहिस्ता से बोले, 'बेटा बात सही है, अब मैं आगे से ध्यान रखूंगा।' अगला दिन छुट्टी का था। परेश सारा दिन अपने लैपटॉप और मोबाइल में ही बिजी था। दादाजी के भीतर अपने पोते के प्रति प्यार उमड़ा तो वह अपने आपको रोक नहीं पाए। परेश के कमरे में चले गए। परेश के बेड पर स्कूल की कॉपी-किताबें बिखरी हुई थीं। वह मोबाइल में बिजी था। उसने दादाजी की आहट सुनी, लेकिन वह दादाजी की उपेक्षा करते हुए अपने मोबाइल में ही लगा रहा। दादाजी ने पूछा, 'क्या कर रहे हो बेटा?' परेश रूखे स्वर में बोला, 'दादाजी देख नहीं रहे हैं, मैं अपना असाइनमेंट पूरा कर रहा हूं। आप डिस्टर्ब मत करिए।' 'ठीक है बेटा, कितना समय लगेगा, इसे पूरा करने में?' दादाजी ने बड़े प्यार से पूछा। 'दादाजी मैं अभी कैसे बता दूं, आप डिस्टर्ब मत कीजिए प्लीज।' परेश ने तेज स्वर में बोला। 'ठीक है बेटा, मैं नीचे तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।' यह कहकर दादाजी ने कमरे से बाहर निकलते समय पलटकर देखा, परेश अपने मोबाइल में लगा दिखा। दादाजी के कमरे से निकलते ही परेश ने अपने कमरे का दरवाजा तेज आवाज के साथ बंद कर दिया। दादाजी कुछ देर दरवाजे के पास भाव शून्य खड़े रहे। उनकी आंखों में एक नमी उतर आई थी। *

पुस्तक: छवि से अलग (संस्मरण), **लेखक:** विनोद दास, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

छवि से अलग

हाल में ही वरिष्ठ साहित्यकार विनोद दास के संस्मरणों की पुस्तक 'छवि से अलग' छपकर आई है। इसमें चौदह नामचीन साहित्यकारों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा संस्मरण भी संकलित है। इन संस्मरणों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें सम्मिलित हस्तियों की कई अनावृत्त रही छवियां उजागर होती हैं। ये छवियां उनके साहित्यिक ही नहीं व्यक्तिगत जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। लेखक ने निरपेक्ष भाव से इनकी खूबियों और खामियों को सामने रखा है। इसके साथ ही साथ कई संस्मरणों में लेखक, समानांतर रूप से उस देश, काल और परिस्थितियों का भी वर्णन करते चलते हैं, जब इन अनुभूतियों को वे अर्जित कर रहे थे। निर्मल वर्मा, नामवर सिंह, श्रीलाल शुक्ला, कुंवर नारायण, केदारनाथ सिंह, अखिलेश, शानी और मुद्राराक्षस जैसे कई साहित्यकारों के बारे में यह किताब बहुत कुछ अनसुना बताती है। *

अगर आपको गांव की खूबसूरती, वहां का प्राकृतिक वातावरण लुभाता है, साथ ही पक्षी प्रेमी भी हैं तो आपको इस मौसम में 'भारत का पक्षी गांव' के नाम से प्रसिद्ध मेनार गांव जरूर जाना चाहिए। किस तरह से मेनार गांव, पक्षी-प्रकृति संरक्षण की मिसाल बन गया है, वहां से लौटकर बता रहे हैं लेखक अपनी जुबानी।

पक्षी संरक्षण की मिसाल मेनार गांव

पर्यटन स्थल

समीर चौधरी

हाल ही में मैं उदयपुर घूमने गया था। जब मुझे स्थानीय लोगों से पक्षी संरक्षण के लिए मशहूर मेनार गांव के बारे में पता चला तो खुद को रोक नहीं पाया। राजस्थान के खूबसूरत शहर उदयपुर के नजदीक स्थित मेनार गांव में मैं बिना किसी असुविधा के बिल्कुल सुबह पहुंच गया था। सुबह होते ही मेनार में चिड़ियों का चहचहाना हर ओर से सुनाई पड़ने लगता है। खासतौर पर मानसून के बाद सर्दी के मौसम की शुरुआत होने पर यह नजारा बहुत मनभावन लगता है, जब दूर देशों से बड़ी संख्या में पक्षी जाड़ों के अपने इस आवास में लौटने लगते हैं। दशकों से मेनार 100 से अधिक स्थानीय और ठंडे इलाकों से पलायन करके आने वाले पक्षियों का अभयारण्य बना हुआ है। यहां आने वाले प्रमुख पक्षियों में फ्लेमिंगो,

पेलिकन, कूटस और लुप्त होने की कगार पर पहुंच चुका सारस क्रेन भी शामिल हैं। इन्हें देखने के लिए दूर-दूर से पक्षी प्रेमी यहां आते हैं।

ग्रामीणों की भूमिका महत्वपूर्ण: मेनार गांव की विशेषता केवल इसकी जैव-विविधता ही नहीं है बल्कि यहां के लोग भी हैं, जिनकी वजह से पक्षी संरक्षण संभव हो सका है। मेनार के लोगों का यहां आने वाले मेहमान पक्षियों से लगाव का सिलसिला लगभग दो शताब्दी पहले आरंभ हुआ था। मुझे स्थानीय लोगों ने ही बताया कि वर्ष 1832 में यहां की एक झील के किनारे किसी ब्रिटिश अधिकारी ने एक पक्षी को गोली मार दी थी। उससे नाराज ग्रामीणों ने तुरंत ही उस ब्रिटिश व्यक्ति को गांव से बाहर जाने पर मजबूर कर दिया। यह कहानी लोककथा बन गई और इसी ने मेनार के पक्षी प्रेम और संरक्षण की आधारशिला रखी। समय के साथ मेनार के लोगों ने अपने तालाबों (ब्रह्म तालाब, धंड तालाब और खेरोड़ा तालाब) को जीवंत वेटलैंड्स में बदल दिया। इनके प्रयास रंग लाए। मेनार को आधिकारिक तौर पर राजस्थान के पहले पक्षी गांव के रूप में मान्यता मिल गई और उसे रामसर साइट (अंतरराष्ट्रीय महत्व का वेट लैंड, जो जीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है) घोषित किया गया। मेनार को वर्ष 2023 में भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में भी शामिल किया गया।

जागरूक हैं स्थानीय निवासी: मेनार में पक्षियों को देखते हुए मेरी मुलाकात स्थानीय निवासी दर्शन मेनारिया से हुई, जो पक्षी-मित्र कहे जाते हैं। अपनी इस पहचान पर उन्हें गर्व है। हालांकि वह एक विद्यालय में अध्यापक

भी हैं। दर्शन कितना भी व्यस्त रहें, अगर उन्हें किसी पक्षी के चहचहाने की आवाज सुनाई पड़ती है तो वह पक्षियों के गीत सुनने में मगन हो जाते हैं। वे अपने छात्रों से भी कहते हैं कि पक्षियों के गीत को सुनो। जब छात्र पक्षी को देखेंगे और पहचानेंगे, तभी वे वास्तव में उनकी देखभाल करेंगे, उनके संरक्षण में अपना योगदान देंगे।

ऐसे किया जा रहा संरक्षण: मेनार में पक्षी संरक्षण केवल जागरूकता का विषय नहीं, वहां की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यहां धार्मिक रीति-रिवाजों का आयोजन झील के किनारों पर किया जाता है ताकि मानव और प्रकृति का संबंध मजबूत किया जा सके। यहां मछली पकड़ने और गर्मी में की जाने वाली खेती को स्थानीय लोगों ने अपनी इच्छा से बंद कर दिया है ताकि पक्षियों के ठहरने की जगहों को सुरक्षित रखा जा सके। झीलों से पानी भी बहुत कम निकाला जाता है। ग्रामीण अपनी जरूरतों के साथ पक्षियों की जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखते हैं।

सरकारी प्रयासों की बात करें, तो राजस्थान वन विभाग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त पक्षी-मित्र हाथ में बाइनोक्यूलर्स (दूरबीन) लेकर सुबह-शाम को झीलों की निगरानी करते हैं। वे यहां आने वाले पक्षियों की गतिविधियों, पलायन पैटर्न को ऑब्जर्व करते हैं और खतरे की स्थिति में सावधान करते हैं। इस स्थानीय निगरानी ने न केवल सामान्य जलमुर्गियों को सुरक्षित रखने में मदद की है बल्कि उन प्रजातियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिन पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है।

बन चुकी है डॉक्यूमेंट्री फिल्म: फिल्म मेकर गुंजन मेनन ने मेनार की कहानी को अपनी अवॉर्ड-विनिंग डॉक्यूमेंट्री 'विंग्स ऑफ होप' (उम्मीदों के पर) में भी प्रस्तुत किया है। वह इसे 'विश्वसनीय नेतृत्व की कहानी' कहती हैं। इस फिल्म में उन्होंने बताया कि जमीनी प्रयासों से वह हासिल किया जा सकता है, जो अकसर बड़े पैमाने की नीतियों या बड़े बजट से नहीं मिलता।

बहरहाल, मेनार गांव देश ही नहीं, दुनिया भर के पक्षी प्रेमियों के लिए मिसाल बन गया है। *

जब करें घने कोहरे में ड्राइविंग
रखें इन बातों का खास ध्यान

सर्दी के मौसम में जब घना कोहरा छाया हो, तो विजिबिलिटी बहुत कम हो जाती है। ऐसे में ड्राइविंग बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है। थोड़ी सावधानी और कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर आप धुंध वाले मौसम में भी सेफ ड्राइव कर सकते हैं।

सजगता

विवेक कुमार

हालांकि अभी बहुत अधिक ठंड नहीं हो रही है लेकिन आने वाले दिनों में इसमें इजाफा होगा। हाड़ कंपा देने वाली भीषण ठंड और घने कोहरे में वाहन चलाना बहुत चुनौती भरा काम होता है। देर रात में या पौ फटने से पहले सुबह के समय कोहरे के कारण जब विजिबिलिटी का स्तर कम हो जाता है, तब ड्राइविंग करना और मुश्किल होता है। ऐसे में अगर आपके लिए कहीं जाना बेहद जरूरी है और आप अपने वाहन से जा रहे हैं, तो घने कोहरे में सुरक्षित सफर के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

ड्राइविंग पर फोकस्ड रहें: ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन पर किसी से बात करना, बगल में या पीछे सीट पर बैठे व्यक्ति के साथ लगातार बात करना, म्यूजिक सुनना, इन

तमाम कामों से आपका फोकस ड्राइविंग से हट सकता है। घने कोहरे में अगर आप ड्राइविंग कर रहे हैं तो आपका ध्यान पूरी तरह ड्राइविंग पर ही केंद्रित रहना चाहिए। सामान्य दिनों में भी इस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए।

स्पीड कम रखें: कोहरे में गाड़ी बहुत धीमी गति में चलानी चाहिए। इससे दुर्घटना होने की आशंका तो कम होती ही है, किसी भी तरह की दुर्घटना होने पर नुकसान ज्यादा नहीं होता है। अपने आगे चलने वाले वाहन के बीच पर्याप्त गैप रखते हुए धीरे-धीरे ड्राइव करें। इससे आपको अचानक ब्रेक लगाने या गति बदलने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कोहरे में गाड़ी ड्राइव करते समय अचानक अपनी लेन बदलने से भी बचें, क्योंकि विजिबिलिटी कम होने के कारण आपकी गाड़ी की गति और दिशा का अनुमान पीछे से आने वाले दूसरे वाहन का चालक नहीं लगा पाता है, इससे एक्सीडेंट की संभावना होती है।

सावधानी से गाड़ी मोड़ें: अगर आपको किसी मोड़ पर अपनी गाड़ी मोड़नी है तो अपनी गाड़ी की गति पहले से ही धीमी कर लें, क्योंकि कोहरे में बिल्कुल करीब की भी चीज दिखाई नहीं देती है। ऐसे में अगर गाड़ी मोड़ते समय गति तेज हुई तो दुर्घटना होने का डर रहता है। धुंध में ओवरटेकिंग करना बहुत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि विजिबिलिटी बहुत कम होने से यह नहीं दिख पाता है कि आगे कोई वाहन है या नहीं और उसकी स्पीड कितनी है? इसलिए कोहरे में यथासंभव गाड़ी धीमे चलाएं और ओवर टेकिंग करने से बचें।

वाहन को रोक दें: यदि विजिबिलिटी बहुत ही कम हो, तो सड़क के किनारे सुरक्षित जगह पर गाड़ी को रोक कर थोड़ा कोहरा छंटने का इंतजार करना चाहिए। अपनी गाड़ी को जब सड़क पर किनारे खड़ा करें तो कार की हैजार्ड लाइट चालू रखें ताकि सड़क पर चलने वाले दूसरे वाहन आपकी कार को देख सकें और सुरक्षित तरीके से बगल से निकल जाएं।

विंडोज-विंड स्क्रीन को साफ रखें: घने कोहरे और ओस की बूंदों के कारण विंडोज और विंड स्क्रीन पर लगा सीसा बार-बार धुंधला हो जाता है। ऐसे में विजिबिलिटी और भी कम हो जाती है। इससे बचने के लिए बीच-बीच में वाइपर चलाते रहें। कार के हीटर ऑन कर वाहन के अंदर से ही इन

पर जमने वाली भाप को कम किया जा सकता है। अधिक दिक्कत होने पर गाड़ी से उतर कर साफ कपड़े से इन्हें साफ करना चाहिए।

रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाएं: अपनी कार के पीछे लाल रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाने से आपके पीछे चलने वाले वाहन को आपके वाहन की स्थिति पता चलती रहती है। इससे दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और दुर्घटना की आशंका से भी बचा जा सकता है। *

नदी गाथा

वीना गौतम

महज जलधारा ही नहीं जम्मू की सांस्कृतिक आत्मा है तवी नदी

वैसे तो जम्मू-कश्मीर में कई मनोहारी झीलें और नदियां हैं। इन्हीं में से एक तवी नदी न केवल अपने प्रवाह सौंदर्य के लिए, अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक महत्ता और अपनी गोद में समेटे जैव विविधता के लिए भी जानी जाती है।

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदियों के किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं और संस्कृतियां फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। लेकिन जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति आम लोगों की उदासीनता के चलते धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसलिए नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ियों को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती पर इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फलती-फूलती रहे। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण और सुंदर नदी तवी, जम्मू शहर से होकर प्रवाहित होती है। जैसे किसी जीवंत शरीर में हृदय धड़कता है, वैसे ही जम्मू के लिए तवी की निरंतर बहती धारा है। यह नदी महज पानी की धार नहीं बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भावनात्मक पहचान का आधार स्तंभ है। स्थानीय डोगरा समाज में तवी को सूर्य पुत्री कहा जाता है यानी, एक ऐसी बेटी, जिसे सूर्य देव से जीवन मिला हो। यही उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व का आधार माना जाता है।

नदी का उद्भव और प्रवाह: तवी नदी शिवालिक पर्वतों की गोद से जन्मती है। सुधमाह महादेव के निकट डोडा जिले के कैलाश कुंड ग्लेशियर से इसका उद्गम माना जाता है।

तवी के किनारे स्थित बाग-ए-बहू का मनोरम दृश्य

4,220 मीटर की ऊंचाई से उतरकर यह नदी 141 किलोमीटर का सफर तय करके अखनूर के पास चिनाब नदी में मिल जाती है। अपने प्रवाह में यह पहाड़ी पत्थरों, झाड़ियों, घास के मैदानों और घाटियों को चीरते हुए आगे बढ़ती है। तवी नदी का प्रवाह इसे एक युवा नदी के रूप में दर्शाता है। क्योंकि इसका प्रवाह तेज, पथरीला और जल स्वच्छ होता है। गर्मियों में चूंकि हिमालय में बर्फ पिघलती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसमें पानी बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में नदी शांत और सक्रिय हो जाती है। इन दोनों मौसमों के विपरीत मानसून के आते ही तवी का शक्तिशाली और प्रचंड रूप देखने को मिलता है।

पौराणिक-धार्मिक महत्ता भी है बहुत: तवी का स्थान केवल भूगोल में ही महत्वपूर्ण नहीं है, पौराणिक आख्यानों और लोक-साहित्य में भी यह रची बसी है। सूर्य पुत्री कही जाने वाली तवी की मान्यता, डोगरा राजवंश के इतिहास की सांस्कृतिक धुरी मानी जाती है। जम्मू का प्रतिष्ठित बहू-किला इसी नदी के किनारे स्थित है। इसी के किनारे स्थित बाग-ए-बहू बागीचा, महामाया मंदिर और उसके पास की घाटियां, तवी को सौंदर्य की देवी का दर्जा देती हैं। तवी की वजह से ही ये स्थल इस शहर की आकर्षक धरोहरों में शामिल हैं। प्राचीन मंदिरों, धार्मिक अनुष्ठानों में भी तवी नदी की भूमिका हमेशा रही है। डोगरा राज परिवार के संस्कार, पूजा-तीर्थ, अर्पण और पितृ श्रद्धा इसी नदी के तट पर संपन्न होती है। छठ पर्व, मकर संक्रांति, डोगरा मेलों और विशेष पूजा अर्चनाओं का केंद्र तवी नदी के तट ही होते हैं। शिवरात्रि में यहां विशेष उत्सव संपन्न होता है। डोगरी लोकगीतों में बार-बार तवी नदी का जिक्र आता है। यहां एक उक्ति बहुत प्रचलित है, 'तवी दे पाणियां वर्गे, सच्चे ने जम्मू दे लोग।' यानी तवी के पानी की तरह ही जम्मू के लोगों का मन भी निर्मल है। तवी जम्मू की आत्मा है। इसके रिवर फ्रंट, घाटों और हरित पट्टियों के माध्यम से यह नदी एक सांस्कृतिक स्थल के रूप में पुनर्जीवित हो रही है।

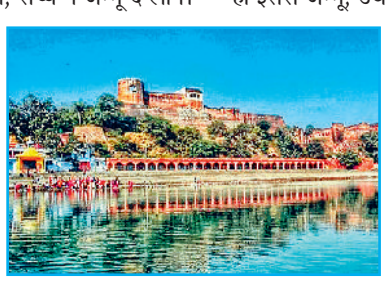

अखनूर फोर्ट के पास से प्रवाहमान तवी नदी

मौजूद है समृद्ध जैव विविधता: सिर्फ संस्कृति ही नहीं जम्मू क्षेत्र के पर्यावरण का भी मूल आधार तवी नदी ही है। इसकी घाटी में समृद्ध जैव विविधता पाई जाती है। देवदार, चीड़, शीशम, क्राप, पॉपुलर तथा अनेक औषधीय पेड़ इसके किनारे पनपते हैं और इसको समृद्ध वनस्पति स्थल बनाते हैं। इसी तरह तवी घाटी में हिमालयी लंगूर, पहाड़ी लोमड़ी, जंगली बिल्ली और काला भालू जैसे जीव जंतु भी पाए जाते हैं। इनके अलावा यहां किंग फिशर, उल्लू, बगुले, पहाड़ी गौरैया जैसे पक्षी इसकी जैव विविधता की गाथा कहते हैं। इसी में ट्राउट, महाशीर और क्रॉप जैसी मछलियों की भी उपस्थिति इसे खास बनाती है।

कई तरह से है उपयोगी: तवी का तेज प्रवाह इसका पथरीला तल इसे देश की दूसरी नदियों की अपेक्षा बेहद स्वच्छ रखता है। यह चिनाब की प्रमुख सहायक नदी है और सिंध प्रणाली में जल उपलब्धता बढ़ाने पर अपना योगदान देती है। इसके तलों पर उगने वाली घास और वृक्ष, नदी के कटाव को रोकते हैं और जैविक स्थिरता बनाए रखते हैं। शहर के मध्य से गुजरते समय इसका घुमावदार प्रवाह बहुत आकर्षक लगता है। यह जम्मू शहर के पेय जल की प्रमुख स्रोत है। साथ ही इससे जम्मू, उधमपुर और अखनूर जिलों की कृषि भूमि सिंचित होती है।

चुनौतियां हैं कई: हर नदी की तरह तवी के भी कुछ संकट हैं, जैसे शहर का बहने वाला नाला, कचरा और सीवेज इसे बीमार बनाता है। अवैध रेत खनन इसे घायल करता है और शहरीकरण का बढ़ता बोझ इसके विस्तार को छीनता जा रहा है, जो इसके जलस्तर में कमी का प्रमुख कारण बनता है। तवी महज एक नदी नहीं बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक, भौगोलिक और ऐतिहासिक धरोहर है। इसे इतिहास की धड़कन और संस्कृति की आत्मा कहते हैं। जम्मू शहर की इस पहचान को संरक्षित किया जाना बहुत आवश्यक है। *

बड़ा पर्दा

हेमंत पाल

श्याम बेनेगल की 'अंकुर' में दिखा जीवन यथार्थ

बिमल रॉय की यथार्थपरक फिल्म 'दो बीघा जमीन'

जीवन-समाज की सच्चाई दिखाता यथार्थपरक समानांतर सिनेमा

फिल्म निर्माण के शुरुआती दिनों से ही फिल्मकारों ने जीवन और सामाजिक यथार्थ को अपनी फिल्मों का विषय बनाना शुरू कर दिया था। हालांकि यह सामाजिक यथार्थ, पैरेलल सिनेमा में देखने को मिलता है। समानांतर सिनेमा को समृद्ध करने वाले फिल्मकारों और हिंदी सिनेमा में इस ट्रेंड पर एक नजर।

भारतीय सिनेमा में यथार्थवाद की झलक बहुत पुरानी बात है। ऐसी फिल्मों की नींव सन 1920 से 30 के दशक में ही पड़ गई थी, जब 1925 में बाबूराव पेंटर ने अपनी मूक फिल्म 'सावकारी पाश' बनाई, जिसमें वी. शांताराम ने गरीब किसान का किरदार निभाया था। वह किसान अपनी जमीन एक साहूकार को देने के लिए मजबूर हो जाता है और गांव छोड़कर शहर में मिल मजदूर बन जाता है। इसे भारत की पहली समानांतर फिल्म माना जाता है। साल 1937 में महिलाओं की दुर्दशा पर बनी फिल्म 'दुनिया ना माने' को भी समानांतर फिल्म की श्रेणी में ही रखा जाता है। समानांतर सिनेमा यानी पैरेलल सिनेमा को 'आर्ट सिनेमा' या 'नया सिनेमा' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि हमारा समानांतर सिनेमा इटैलियन न्यू रियलिज्म, फ्रांस के फ्रेंच न्यू वेव और जापान के न्यू वेव सिनेमा से प्रभावित रहा है।

समानांतर सिनेमा ने ली नई करवट: शुरुआती 1920-30 के दशक में भले ही समानांतर सिनेमा बनाने के कुछ प्रयोग किए गए, लेकिन तब ये परंपरा कुछ खास आगे नहीं बढ़ सकी। सन 1940 से 1960 के दशक में समानांतर सिनेमा ने फिर से करवट ली। इस दौर में सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक, बिमल राय, मृणाल सेन, ख्वाजा अहमद अब्बास, चेतन आनंद, वी. शांताराम जैसे दिग्गज फिल्मकारों ने इसे पल्लवित किया। इनकी फिल्मों पर साहित्य की गहरी छाप देखने को मिलती है। चेतन आनंद ने 1946 में 'नीचा नगर' जैसी बेहतरीन फिल्म बनाई। कान फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म को 'ग्रांड प्रिक्स डू फेस्टिवल' पुरस्कार मिला। इस तरह कान फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी-'नीचा नगर'। समानांतर फिल्मों की इस परंपरा को श्याम बेनेगल, गोविंद निहलानी, अदूर गोपालकृष्णन, गिरीश कासरवल्ली, मृणाल सेन, ऋत्विक घटक जैसे फिल्मकारों ने आगे बढ़ाया।

दिखता है जीवन का यथार्थ: समानांतर सिनेमा में जीवन और समाज का यथार्थ बहुत गहराई से दिखाया जाता रहा है। यह हिंदी सिनेमा का वह पक्ष है, जिसमें आम आदमी के जीवन की जद्दोजहद, सामाजिक असमानता और बदलाव को दर्शाया जाता है। फिल्मों के कथानक में यथार्थ को पूरी शिद्दत के साथ प्रस्तुत करने का यह चलन 1950 के दशक में पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ और बाद में इसे हिंदी समेत हर भाषा के सिनेमा ने अपनाया। इसका मकसद जीवन के कठोर यथार्थ, समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों, दलितों, महिलाओं और गरीबों की समस्याओं को दर्शकों के सामने लाना रहा, जिससे दर्शक खुद को जुड़ा महसूस करे। इन फिल्मों की यथार्थ परक कहानियां, आम लोगों की सामाजिक और आर्थिक जिंदगी से जुड़ी होती हैं। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, शहरी-ग्रामीण भेद, आर्थिक विषमताएं, जातिगत भेदभाव, स्त्री-पुरुष संबंध, नारी सशक्तिकरण जैसे मुद्दे समानांतर सिनेमा की पहचान रहे हैं। ये फिल्में पारंपरिक सिनेमा की तरह मनोरंजन या सपनों की दुनिया पर नहीं, बल्कि समाज की सच्चाइयों को विषय वस्तु बनाकर, बदलाव और सवाल उठाए जाने पर बल देती हैं। समानांतर सिनेमा का मकसद दर्शक को यथार्थ के करीब लाना और सांस्कृतिक-सामाजिक बदलाव की चेतना को जगाना रहा है। ये फिल्में भारतीय समाज के आइने का काम करती हैं।

दिखाई जाती है सामाजिक त्रासदी: समानांतर सिनेमा को जीवन का यथार्थ कहा जरूर जाता है, लेकिन यह आधा सच ही है। क्योंकि समानांतर सिनेमा का कैमरा हमेशा दमित और शोषित वर्ग पर ही फोकस होता रहा है। जबकि सिर्फ दमन और शोषण ही समाज का यथार्थ नहीं है। समाज के यथार्थ में खुशी और गम दोनों शामिल होते हैं। केवल त्रासदी और नकारात्मकता को ही समाज का यथार्थ नहीं माना जा सकता। यदि समाज के यथार्थ में जीवन के सभी पक्षों को शामिल किया जाए, तो ही समानांतर सिनेमा को यथार्थवादी सिनेमा कहना ज्यादा उचित होगा। यदि इसमें 'अंकुर' जैसी फिल्म शामिल है तो 'हम साथ साथ है' को भी शामिल किया जा सकता है।

इन फिल्मकारों का रहा बड़ा योगदान: समानांतर और यथार्थपरक फिल्मों की बात करें, तो इस परंपरा को समृद्ध करने में कई फिल्मकारों का बेहद महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1953 में आई बिमल रॉय की 'दो बीघा जमीन' ने समीक्षकों की प्रशंसा के साथ व्यावसायिक सफलता प्राप्त की थी। इसके बाद बिमल रॉय ने 'बिराज बहू', 'देवदास', 'सुजाता' और 'बंदिनी' जैसी यथार्थपरक फिल्में बनाईं। ऐसी फिल्में बनाने वाले फिल्मकारों में गुरुदत्त भी थे। उनकी फिल्म 'प्यासा' को हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म माना जाता है। अमेरिका की 'टाइम' पत्रिका ने इसे 'ऑल टाइम बेस्ट 100 फिल्म्स' में जगह दी है। समानांतर सिनेमा की नई शुरुआत 1969 में मृणाल सेन की फिल्म 'भुवन सोम' से माना जाता है। ऐसे ही श्याम बेनेगल 1973 में 'अंकुर' बनाकर समानांतर सिनेमा के नवसृजन के प्रमुख हस्ताक्षर बने। सन 1976 में मृणाल सेन ने 'मृगया' बनाई, जो मिथुन चक्रवर्ती की पहली फिल्म थी। श्याम बेनेगल की फिल्में 'अंकुर', 'मंथन' और 'भूमिका', मणि कौल की 'उसकी रोटी' और 'दुविधा'। सत्यजीत रे की 'पाथेर पांचाली', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'सद्गति'। इन सभी फिल्म मेकर्स का समानांतर सिनेमा को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। *